सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दिसंबर के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान, लिस्ट में शैफाली वर्मा पेज: 7

को-ए टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पडड्डा चाहिए पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 270 | शुक्रवार 09 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

स्कूल का मित्र बनकर साइबर अपराधी ने 6.64 लाख रुपए ठगे

नोएडा: उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्कूल का दोस्त बन कर और चिकित्सा आपात स्थिति का हवाला देते हुये साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से साढ़े छह लाख रुपये से अधिक की ठगी की। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-78 में रहने वाले जयप्रकाश सैनी ने पुलिस में शिकायत दी है कि बीते 23 अक्टूबर को उनके पास अनिल सक्सेना नामक एक व्यक्ति का फोन आया। शिकायत में कहा गया है कि उसने कहा कि वह उसका स्कूल के समय का दोस्त है। उन्हें शुरूआती दौर में कुछ शक हुआ, लेकिन उसने स्कूल के समय का उसका निक नेम बताया, जिससे पीड़ित को विश्वास हो गया कि यह उनका पुराना स्कूली मित्र है। पीड़ित के अनुसार आरोपी ने उससे एक चिकित्सा आपात स्थिति का हवाला दिया और बैंक लिमिट समस्या बता कर उससे अपने रिश्तेदार के बैंक खाते में पैसा ट्रांसफर करने

द्रमुक से दरार की खबरों के बीच कांग्रेस का बड़ा दांव, तमिलनाडु चुनाव के लिए उतारी दिग्गजों की टीम

नई दिल्ली एजेंसी: आगामी 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत कांग्रेस ने विशेष पर्यवेक्षकों की एक टीम नियुक्त की है। बुधवार को इस फैसले की घोषणा की गई, जिसमें पार्टी नेताओं ने राज्य भर में संगठनात्मक समन्वय और पहुंच को मजबूत करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने की बात कही। तमिलनाडु के लिए कांग्रेस के विशेष पर्यवेक्षकों में मुकुल वासनिक, उत्तम कुमार रेड्डी और मोहम्मद निजामुद्दीन शामिल हैं। इस सूची से पहले ही गिरीश चोडंकर को तमिलनाडु कांग्रेस के राज्य पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया जा चुका था। घोषणा के अनुसार, कांग्रेस ने विभिन्न क्षेत्रों में चुनाव तैयारियों की निगरानी के लिए पार्टी के अनुभवी सदस्यों को विशेष पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया है। इन पर्यवेक्षकों को

स्थानीय इकाई की गतिविधियों की निगरानी करने, राज्य और ब्लॉक स्तर के नेतृत्व के बीच संचार को सुगम बनाने और पार्टी की चुनाव रणनीति के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा जाएगा। 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही, कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने राज्य में इंडिया गठबंधन में किसी भी तरह की दरार की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस और डीएमके मजबूती से एकजुट हैं और अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। तमिलनाडु में गठबंधन की स्थिति पर एएनआई से बात करते हुए, टैगोर ने विपक्षी गठबंधन के लिए राज्य के राजनीतिक महत्व और कांग्रेस-डीएमके संबंधों की गहराई को रेखांकित किया। टैगोर ने कहा

इंडिया गठबंधन में किसी भी दरार की अटकलों को खारिज

2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारी में, कांग्रेस ने मुकुल वासनिक सहित विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, साथ ही डीएमके के साथ इंडिया गठबंधन में किसी भी दरार की अटकलों को खारिज करते हुए अपनी एकजुटता पर जोर दिया है।

कि तमिलनाडु एक महत्वपूर्ण राज्य है, और हम सभी जानते हैं कि इंडिया गठबंधन एक महत्वपूर्ण गठबंधन है, जिसमें कांग्रेस एक हिस्सा है और डीएमके इसकी प्रमुख सहयोगी है। हमने आठ चुनाव एक साथ लड़े हैं, क्योंकि डीएमके कांग्रेस की दीर्घकालिक सहयोगी है। सीट बंटवारे को लेकर दोनों पार्टियों के बीच मतभेदों की खबरों पर बोलते हुए टैगोर ने गठबंधन में बदलाव की किसी भी संभावना से इनकार किया, हालांकि उन्होंने समय पर बातचीत की आवश्यकता को स्वीकार किया। उन्होंने बुधवार को कहा कि मुझे नहीं लगता कि सहयोगी साझेदारों में बदलाव को लेकर कोई चर्चा होगी। कांग्रेस डीएमके की दीर्घकालिक सहयोगी है। कांग्रेस नेता चाहते हैं कि सीट वार्ता जल्द से जल्द पूरी हो जाए, क्योंकि किसी भी देरी से गठबंधन की छवि पर असर पड़ सकता है। टैगोर ने तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति पर भी निशाना साधा और उस पर क्षेत्रीय पार्टियों को कमजोर करके अपना प्रभाव बढ़ाने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा किसी भी तरह से तमिलनाडु में प्रवेश करना चाहती है। वे एआईएडीएमके को खत्म करके उसकी जगह लेना चाहते हैं, क्योंकि वे आपसे दोस्ती करेंगे और धीरे-धीरे आपके वोटों को बटोर लेंगे। तमिलनाडु में एआईएडीएमके के साथ वे यही तरीका अपना रहे हैं।

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के उद्घाटन में भाग लेंगे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल 10 जनवरी को खेल और युवा कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे जबकि समापन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं को संबोधित करेंगे। दस विभिन्न थीम पर भारत मंडपम में होने वाले तीन दिवसीय संवाद में देश भर के दो हजार से अधिक युवा भाग लेंगे जबकि विदेश मंत्रालय के ह्यभारत को जाने कार्यक्रम से 80 भारतवंशी युवाओं का चयन भी इसके लिये किया गया है। समारोह के पहले दिन भारत की विश्व कप विजेता महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर, महान बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच पुलेला गोपीचंद, टेनिस धुरंधर लिएंडर पेस भी

प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। मंत्रालय ने बताया ,उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल मौजूद रहेंगे। पहले दिन नौ जनवरी को प्रतिस्पधाओं के विभिन्न वर्गों के चयन राउंड होंगे। इसके अलावा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय युद्ध संग्रहालय और प्रधानमंत्री संग्रहालय घुमाया जायेगा। इस बार विकसित भारत चैलेंज ट्रैक के लिये दस थीम रखी गई हैं जिनमें लोकतंत्र और सरकार में युवा, महिला नीत विकास :विकसित भारत की कुंजी, फिट भारत, हिट भारत, आत्मनिर्भर भारत : मेक इन इंडिया, मेक फोर वर्ल्ड और विकसित भारत के लिये भविष्योन्मुखी कार्यबल का निर्माण प्रमुख है। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद खेल और युवा कार्य मंत्रालय की पहल है जो भारत के युवाओं को विकसित भारत का विजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी जाने का प्रयास है। मंत्रालय ने बताया कि प्रतिभागियों का चयन देश भर में विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं के जरिये हुआ जिसमें निबंध लेखन और क्विज शामिल है जिसमें 50 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया। बारह जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाग लेंगे। एक अधिकारी ने बताया प्रधानमंत्री इस मौके पर युवाओं को संबोधित करेंगे और विकसित भारत 2047 के लिये युवा प्रतिभागियों के सर्वश्रेष्ठ सुझाव उनके समक्ष रखे जायेंगे।

प्रतीक जैन के घर और फिर ऑफिस पहुंचकर ममता ने क्या किया? पूरी टाइमलाइन

नई दिल्ली। अनूप माझी के नेतृत्व वाले कायला तस्करी सिंडिकेट के सिलसिले में ईडी ने पीएमएलए के तहत पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 जगहों पर छापेमारी की। अनूप माझी पर आरोप है कि वो बंगाल के ईसीएल लीज वाले इलाकों से कोयला चुराता था और अवैध रूप से खनन करता था। ईडी ने बताया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस कर्मियों और प्रशासन के अधिकारियों के आने तक यह सर्च ऑपरेशन शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, जिन्होंने जबरन 2 जगहों से फिजिकल डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक सबूत हटा दिए। ईडी ने बताया कि यह सर्च ऑपरेशन सबूतों पर आधारित है और किसी भी

राजनीतिक संगठन को टारगेट नहीं किया गया है। साथ ही, किसी भी पार्टी ऑफिस की तलाशी नहीं ली गई। ईडी ने किया साफ जांच एजेंसी ने यह साफ किया कि यह सर्च किसी भी चुनाव से जुड़ा नहीं है और मनी लॉन्ड्रिंग पर रेगुलर कार्रवाई का हिस्सा है। यह सर्च स्थापित कानूनी सुरक्षा उपायों के अनुसार सख्त से किया गया है। ईडी ने बताया कि जांच के दौरान यह पता चला कि अनूप माझी कोयले को पश्चिम बंगाल के बांकुरा, बर्धमान, पुरुलिया और अन्य जिलों में स्थित विभिन्न फैक्ट्रियों/प्लांटों में बेचा जाता था। जांच में यह भी पता चला कि इस कोयले का एक बड़ा हिस्सा शाकंभरी ग्रुप ऑफ कंपनीज को बेचा गया था। जांच में हवाला ऑपरेटरों से भी लिंक का पता चला। विभिन्न व्यक्तियों के बयानों सहित कई सबूतों ने हवाला कनेक्शन की पुष्टि की। पैसे को कैसे लगाया जाता था ठिकाना? जांच में यह भी सामने आया कि कोयला तस्करी से होने वाली कमाई को ठिकाने लगाने से जुड़ा एक हवाला ऑपरेटर इंडियन पैक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड को करोड़ों रुपये के लेनदेन में मदद कर रहा था। कोयला तस्करी से होने वाली कमाई हवाला ऑपरेटरों और हैंडलर्स से जुड़े व्यक्तियों को पीएमएलए सर्च में शामिल किया गया है। आई-पीएसी भी हवाला पैसे से जुड़ी संस्थाओं में से एक है।

सोमनाथ पर्व उनकी याद में मनाया जाता है जिन्होंने सिद्धांतों, मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया: मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बृहस्पतिवार से शुरू होने वाला सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। मोदी ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जय सोमनाथ! सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की आज से शुरूआत हो रही है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने अपने इतिहास का पहला आक्रमण झेला था। साल 1026 का आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके। बल्कि इनसे भारत की सांस्कृतिक एकता की भावना और सशक्त हुई और सोमनाथ का बार-बार पुनरोद्धार होता रहा।'' प्रधानमंत्री 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ की अपनी पिछली यात्राओं की कुछ तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच एक्स' पर साझा किया।

उन्होंने देशवासियों से भी अपील की कि अगर वे भी सोमनाथ गए हैं, तो अपनी तस्वीरें है शटैग सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के साथ जरूर साझा करें। मोदी ने कहा, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का यह अवसर, भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। समय कितना ही कठिन और भयावह क्यों ना रहा हो, उनका संकल्प हमेशा अडिग रहा।'' उन्होंने कहा, मैं 31 अक्टूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित एक कार्यक्रम की कुछ झलकियां भी साझा कर रहा हूं। यह वह साल था, जब हमने 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाया था। 1951 में यह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की मौजूदगी में संपन्न हुआ था।'' मोदी ने कहा, ह्यह्यसोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल और केएम मुंशी के साथ ही कई महान विभूतियों के प्रयास अत्यंत उल्लेखनीय रहे हैं। वर्ष 2001 के इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल जी (अटल बिहारी वाजपेयी) और गृह मंत्री आडवाणी जी (लालकृष्ण आडवाणी) और कई गणमान्य लोग शामिल हुए थे।

अबु आजमी बनाम रईस शेख ने बढ़ाई सपा की मुश्किलें, अखिलेश यादव का दौरा रद्द

लखनऊ एजेंसी: महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले, पार्टी के भीतर नए सिरे से अशांति फैल गई है। समाजवादी पार्टी (एसपी) के विधायक रईस शेख महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी के बीच राजनीतिक घमासान देखने को मिल रहा है। 3 जनवरी की बात है जब रईस शेख ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर अबू आजमी की गतिविधियों पर गंभीर चिंता जताई थी। शेख ने पत्र में आजमी पर जानबूझकर उन्हें परेशान करने और पार्टी में भारी व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया था। अब खबर आ रही है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बीएमसी चुनाव प्रचार का प्रस्तावित दौरा रद्द हो गया है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। अखिलेश को बीते दिनों लिखे गए पत्र में पत्र में रईस शेख ने आरोप लगाया है कि अबू आजमी ने भिवंडी और मुंबई नगर निगम चुनावों में मनमाने ढंग से टिकट वितरण किया है। शेख का दावा है कि आजमी पार्टी कार्यकताओं और संभावित उम्मीदवारों के हितों की अनदेखी करते हुए मनमानी कर रहे हैं। विधायक के अनुसार, इस कुप्रबंधन से "पार्टी सदस्यों में असंतोष पैदा हो रहा है और इन महत्वपूर्ण चुनावों में पार्टी की संभावनाएं धूमिल हो रही हैं। शेख आगे कहते हैं

कि आजमी की सार्वजनिक टिप्पणियों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। पार्टी चुनाव नतीजों के बाद दोनों के बीच की इस खींचतान पर फैसला ले सकती है। समाजवादी पार्टी मुंबई की खास सीटों के अलावा भिवंडी और आसपास के कुछ इलाकों में मजबूत मानी जाती है।

जयराम रमेश का मोदी सरकार पर हमला, बोले- उथल-पुथल भरे दौर में भारत-अमेरिका संबंध

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ते तनाव को उजागर करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को अत्यंत उथल-पुथल भरे दौर से गुजरने वाला बताया। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे दौर की जीत के दौरान व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले पहले लोगों में प्रधानमंत्री भी शामिल थे। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि ट्रंप के दूसरे दौर में व्हाइट हाउस पहुंचने वाले पहले लोगों में प्रधानमंत्री के शामिल होने के बावजूद भारत-अमेरिका संबंध अत्यंत उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहे हैं। जयराम ने आगे विधायी और राजनयिक घटनाक्रमों की ओर भी इशारा किया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे भारत की स्थिति को और जटिल बना रहे हैं। राज्यसभा सांसद रमेश ने अपने पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम एक विधेयक पेश कर

रहे हैं, जिसके तहत रूस के साथ भारत के व्यापारिक और अन्य संबंधों के कारण उस पर व्यापक नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इससे पहले, सीनेटर बर्नी मोरेनो ने एक विधेयक पेश किया था, जिसमें 'आउटसोर्सिंग भुगतान' करने वाली अमेरिकी कंपनियों पर 25% कर लगाने का प्रस्ताव है। चुनौतियों को बढ़ाते हुए उन्होंने आगे कहा कि भारत की अत्यधिक असुविधा को और बढ़ाने के लिए, राष्ट्रपति ट्रंप लगातार फील्ड मार्शल असीम मुनीर की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। रमेश ने बदलते हालात पर प्रकाश डालते हुए कहा, द्विपक्षीय संबंधों में निस्संदेह एक 'नई असामान्य स्थिति' पैदा हो गई है। प्रधानमंत्री के तुष्टीकरण वाले बयानों के बावजूद, हर दिन एक नई चुनौती है। इससे पहले, 6 जनवरी को, जयराम रमेश ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव को अमेरिकी हस्तक्षेप ने रोक दिया था। उन्होंने बताया कि 10 मई, 2025 को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से संपर्क होने के बाद संघर्ष रुका था।

दिल्ली में अमित शाह से मिले पलानीस्वामी, तमिलनाडु चुनाव से पहले सेट किया नया सियासी समीकरण

नई दिल्ली एजेंसी: ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया। पलानीस्वामी ने आगामी तमिलनाडु चुनावों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एआईए डीएमके) की जीत की संभावना जताई और कहा कि वे गठबंधन के लिए अन्य पार्टियों से बातचीत कर रहे हैं। पलानीस्वामी ने पत्रकारों से कहा कि कल रात 9 बजे मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। मैंने उनसे तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति के बारे में बात की और डीएमके शासन के अंत पर चर्चा की। एआईएडीएमके गठबंधन के लिए कई पार्टियों से बातचीत कर रही है और हम गठबंधन के साथ मिलकर तमिलनाडु में सरकार बनाएंगे। एआईएडीएमके के महासचिव ने तमिलनाडु में बढ़ते अपराध दर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्य दौरे के दौरान सार्वजनिक सभाओं के

कारण वे उनसे मिल नहीं पाए। पलानीस्वामी ने ओ. पनीरसेल्वम को एआईएडीएमके में पुनः शामिल करने के संबंध में अपनी पार्टी के रुख को दोहराते हुए कहा कि अमित शाह ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे पार्टी

एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी पलानीस्वामी ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और आगामी चुनावों में जीत का दावा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीएमके गठबंधन में शामिल हो गई है

के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे उन्होंने कहा कि डीएमके के सत्ता में आने के बाद अपराध बहुत बढ़ गया है और उनके शासन में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का कोई नामोनिशान नहीं है। जब गृह मंत्री अमित शाह तमिलनाडु आए थे, तब मैं उनसे वहां मिल नहीं पाया क्योंकि मेरी वहां सार्वजनिक सभाएं थीं। ओ. पनीरसेल्वम के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है और इस संबंध में अमित शाह ने भी कहा है कि वे पार्टी के निजी मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। पलानीस्वामी ने घोषणा की कि पट्टाली मक्कल काची एनडीए गठबंधन में शामिल हो गई है और उन्होंने अन्य पार्टियों के भी गठबंधन में शामिल होने की संभावना जताई। उन्होंने कहा, पीएमके ने एआईएडीएमके के साथ हाथ मिला लिया है और जल्द ही कई और पार्टियां हमारे साथ जुड़ेंगी। मैं अभी यह बात सार्वजनिक रूप से नहीं कह सकता। सब कुछ तय हो जाने के बाद ही इसका खुलासा किया जाएगा... तमिलनाडु में एआईए डीएमके के नेतृत्व में सरकार बनेगी। तमिलनाडु में इस साल के पहले छह महीनों में चुनाव होने हैं।

संपादकीय

एक बेतुका आदेश

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे-बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर-शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर-शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी।

चिंतन-मनन

प्रेम और दया से ही प्रसन्न होंगे ईश्वर

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हमें जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करे। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है। हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होता है वह प्रसन्न होता है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराता है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है। ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साईं सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वेनेजुएला पर ट्रंप की सख्ती- नया वैश्विक टकराव

सनत जैन

वेनेजुएला को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की हालिया आक्रामक कार्रवाई ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति एवं सामरिक तनाव को तेज कर दिया है। प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना, समुद्री मार्गों पर निगरानी बढ़ाना और कथित तौर पर रूस से जुड़े जहाज की जप्ती जैसे कदम केवल वेनेजुएला तक सीमित नहीं हैं। इनके दूरगामी अंतरराष्ट्रीय प्रभाव जल्द ही देखने को मिल सकते हैं। यह घटनाक्रम स्पष्ट संकेत देता है, अमेरिका, लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अपने वर्चस्व को आर्थिक एवं सामरिक दृष्टिकोण अपनाते हुए ट्रम्प कब्जा करना चाहते हैं। भले ही इसके लिए रूस और चीन के साथ सीधा टकराव लेने की ट्रंप की सोच है। अमेरिका और वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था पर जो संकट देखने को मिल रहे हैं उसके बाद यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, आने वाले दिनों में अमेरिका अपनी डॉलर मुद्रा तथा वैश्विक व्यापार के वर्चस्वको बनाए रखना चाहता है। उसके लिए ट्रंप अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं। ट्रम्प ने टेरिफ के बहाने जो नया खेल खेला था। उसमें वह असफल हो गए है। अमेरिका में मंहगाई और आर्थिक स्थिति पर इसके दुष्परिणाम दिखने लगे है। इससे बचने के लिये अब ट्रम्प ने वेनेजुएला का मुद्दा खड़ा करके अमेरिका में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहते है? वेनेजुएला लंबे समय से रूस और चीन का रणनीतिक साझेदार है। रूस ने वहां ऊर्जा, हथियार और सैन्य सहयोग किया है। जबकि चीन ने कर्ज, बुनियादी ढांचा और तेल समझौतों के जरिए अपनी गहरी पैठ बनाई है। रूस और चीन के हथियार भी वेनेजुएला में है। ऐसे में किसी रूसी जहाज की जप्ति केवल एक कानूनी या तकनीकी कार्रवाई के रूप में नहीं देखी जा सकती है। इस कार्रवाई को रूस के प्रभाव को खुली चुनौती के रूप में ही देखा जाएगा। मॉस्को ट्रंप की इस कार्रवाई को अपनी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वतंत्रता पर हमला बताकर कूटनीतिक विरोध, जवाबी प्रतिबंध या समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने जैसे कदम उठा सकता है। हालांकि रूस सीधे सैन्य टकराव से बचता हुआ दिख रहा है। समय आने पर इसकी प्रतिक्रिया बड़े रूप में हो सकती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। दुनिया के देशों में अमेरिका, विरोधी मंचों पर इस मुद्दे का जोर-शोर से उठना तय है। चीन का रुख अपेक्षाकृत संतुलित होते हुए भी व्यापारिक दृष्टिकोण से दीर्घकालिक होगा। बीजिंग आमतौर पर प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून, बहुपक्षवाद और संप्रभुता के सिद्धांतों की बात करते हुये इस समस्या के समाधान की कोशिश करेगा, ऐसी संभावना देखने को मिलती है। अमेरिका की कार्रवाई को चीन ह्लएकतरफा दबाव नीतिह्व करार देकर वैश्विक मंच पर अमेरिका को अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों तथा वैश्विक व्यापार संधिकरण की नीति को लेकर अपना विरोध दर्ज करा सकता है। इसके साथ चीन वेनेजुएला में अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों, गुप्त या अप्रत्यक्ष रूप से वेनेजुएला की मदद रूस के साथ तालमेल कर ट्रंप की दादागिरी को चुनौती देने का काम कर सकता है। इस पूरे घटनाक्रम का वैश्विक प्रभाव तेल बाजारों,समुद्री व्यापार, वैश्विक व्यापार और विकासशील देशों की आर्थिक एवं विदेश नीति पर पड़ना तय है। वह देश जो अमेरिकी प्रतिबंधों से असहमत हैं। वह चीन-रूस खेमे की नीतियों की और झुक सकते हैं। अमेरिका समर्थक देश भी ट्रंप की इस तरह की कार्यवाही के खुले समर्थक नहीं है। इसका असर नाटो देश और यूरोपियन संगठन में भी देखने को मिल रहा है। वह ट्रंप की इन नीतियों का कितना समर्थन करेंगे, वर्तमान में कहना मुश्किल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिस तरह की नीतियां आ रही हैं। उसके बाद दुनिया एक बार फिर आर्थिक एवं सामरिक ध्रुवीकरण की ओर बढ़ती हुई दिख रही है। विकासशील देश एवं वेनेजुएला जैसे देश

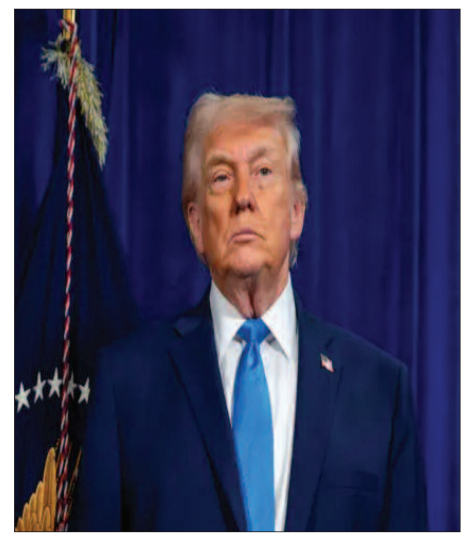

महाशक्तियों की रस्साकशी का मैदान बन रहे हैं। यह स्थिति वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सारी दुनिया के सामने है। अमेरिका की इस कार्रवाई से वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो आर्थिक परिवर्तन सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला था। निश्चित रूप से वह तेजी के साथ सिमटने लगेगा। जिसका दुष्प्रभाव आर्थिक मंदी के रूप में जल्द ही सामने आ सकता है। इसको लेकर तरह-तरह की वैश्विक चिंताएं सामने आने लगी हैं।

सुप्रीम कोर्ट का उपद्रवियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नजरिया

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली के दंगाइयों को शीर्ष अदालत ने राहत देने से सीधा इंकार कर दिया यह अदालत की अराजकता से निबटने की जीरो टॉलरेंस को नीति का हवाला देता है। उच्चतम न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से साफ इंकार करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अदालत ने साथ ही उमर खालिद और शरजील इमाम पर इस मामले में एक साल तक जमानत याचिका दाखिल करने पर भी रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की बैंच ने हालांकि इस मामले में अन्य आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाय अहमद को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है।

इस मामले में बैंच ने कहा, अदालत इस बात से संतुष्ट है कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत सामग्री से याचिकाकताओं उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया आरोप सिद्ध होते हैं। इन याचिकाकताओं के संबंध में वैधानिक कसौटी लागू होती है। कार्यवाही के इस चरण में उन्हें जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है। अदालत ने कहा कि जिन लोगों को जमानत मिली है, उनकी भूमिका सीमित और परिस्थितिजन्य मानी गई है, जबकि उमर खालिद और शरजील इमाम पर दंगों की साजिश रचने, भीड़ को भड़काने और सुनियोजित तरीके से हिंसा को दिशा देने के गंभीर आरोप हैं। अदालत ने यह भी रेखांकित किया

कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय का यह फैसला केवल दो व्यक्तियों की जमानत याचिका का निपटारा नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय संकल्प का स्पष्ट संदेश है।

आपको पता रहे उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोग कोई साधारण आरोपी नहीं हैं। ये वह चेहरे हैं जिन्होंने विचारधारा की आड़ में सड़कों पर आग लगाने की मानसिकता को खाद पानी दिया। यह साबित हो चुका है कि दिल्ली दंगे अचानक नहीं भड़के थे। उनके पीछे शब्दों के बारूद, भाषणों की चिंगारी और योजनाबद्ध उकसावे की लंबी तैयारी थी। ऐसे मामलों में यदि अदालत नरमी दिखाती, तो यह न केवल न्याय के साथ अन्याय होता बल्कि समाज के लिए एक खतरनाक संकेत भी जाता। अदालत ने सही कहा कि इन दोनों की स्थिति अन्य आरोपियों से अलग है। यह अंतर केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। दंगा केवल पत्थर फेंकने से नहीं होता, दंगा उस सोच से पैदा होता है जो समाज को बांटने का काम करती है। जब किसी मंच से यह कहा जाए कि सड़कों पर उतर कर व्यवस्था को जाम कर दो, तब वही शब्द बाद में आग वन जाते हैं। जमानत खारिज करने का फैसला उन सभी लोगों के लिए चेतावनी है जो खुद को एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून को ठेंगा दिखाना चाहते हैं। यह फैसला बताता है कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता फैलाने की छूट नहीं है। मुकदमे में देरी को लेकर अदालत की टिप्पणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। वर्षों से एक तर्क गढ़ लिया गया था कि अगर मुकदमा लंबा चल रहा है, तो आरोपी को स्वतः राहत मिलनी चाहिए। यह सोच न्याय व्यवस्था को कमजोर करती है। अगर गंभीर साजिशों में केवल समय के आधार पर जमानत मिलने लगे, तो हर देश विरोधी ताकत समय को हथियार बना लेगी। इस फैसले का सबसे बड़ा असर उपद्रवी और दंगाई मानसिकता वाले लोगों पर पड़ेगा। अब यह भ्रम टूटेगा कि लंबी कानूनी प्रक्रिया अंततः उन्हें बचा लेगी। देखा जाये तो अदालत का सख्त रुख भारत की आतंकवाद के खिलाफ चल रही लढाई को मजबूत करता है।

आपको बता दें यह फैसला उन आम नागरिकों के लिए भी भरोसे का आधार है जिन्होंने दंगों में अपने घर, दुकानें और परिजन खोए। उनके लिए न्याय केवल सजा नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि सिस्टम उनके साथ खड़ा है। कुछ लोग इसे कठोरता कहेंगे, लेकिन सच यह है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए कठोर फैसले जरूरी होते हैं। उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत खारिज होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की न्यायपालिका आज भी राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और संविधान की मूल भावना को समझती है। यह फैसला आने वाले समय में न केवल कानूनी मिसाल बनेगा, बल्कि उन सभी ताकतों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी होगा जो भारत को भीतर से तोड़ने का सपना देखती हैं। यह निर्णय बताता है कि भारत कमजोर नहीं है, भारत चुप नहीं है और भारत अब दंगों की राजनीति को वर्दाश्त करने के मूड में बिल्कुल नहीं है। हालिया कानूनी घटनाक्रमों और न्यायिक टिप्पणियों के अनुसार, खुद को एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून से ऊपर समझने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्ती बढ़ी है। अदालतों ने स्पष्ट किया है कि एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी होने का लेबल किसी व्यक्ति को आपराधिक जांच या कानूनी प्रक्रिया से सुरक्षा प्रदान नहीं करता है। कानून की नजर में सभी नागरिक समान हैं। पिछले कुछ वर्षों में भीमा कोरेगांव और दिली दंगों जैसे मामलों में कई चर्चित चेहरों की गिरफ्तारियों और अदालतों द्वारा उनकी जमानत याचिकाओं को खारिज किए जाने को इस दिशा में एक बड़ा झटका माना गया है। जांच एजेंसियों ने इन पर अर्बन नक्सल या देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। यूएपीए जैसे कड़े कानूनों के तहत की गई कार्रवाई और अदालतों द्वारा साक्ष्यों के आधार पर दी गई कड़ी टिप्पणियों ने यह संदेश दिया है कि वैचारिक स्वतंत्रता की आड़ में हिंसा या अस्थिरता को बढ़ावा देना स्वीकार्य नहीं होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न मामलों में कहा है कि विरोध का अधिकार मौलिक है, लेकिन यह कानून के शासन के उल्लंघन का अधिकार किसी को नहीं देता है।

जाहिर है कि कानून का शासन बनाए रखने के लिए अदालत का भी सख्त रुख होना अत्यंत महत्वपूर्ण है इसके बिना सामूहिक गुंडई अराजकता फैलाने और भीड़ तंत्र कायम करने के षडयंत्रों पर नकेल डालना संभव नहीं होगा।

अवैध कब्जे और बेघर होता भारतः एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है। जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़ लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता

है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे ह्यवैधताह्न का भ्रम पैदा करने लगता है।

इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है। अतिक्रमण हटाने के बाद होने वाले नुकसान को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह केवल प्रभावित परिवारों का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश का नुकसान है। एक ओर लोग अपने सीमित संसाधनों से घर बनाते हैं, दूसरी ओर सरकार अतिक्रमण हटाने पर भारी खर्च करती है। यदि शुरूआत में ही सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, समय पर निगरानी हो और अवैध कब्जे को बढ़ने से रोका जाए, तो यह दोहरा नुकसान टाला जा सकता है। दुर्भाग्य से हमारे यहां किसी परियोजना की घोषणा और उसके क्रियान्वयन के बीच लंबा अंतराल रहता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठाते हैं। वर्षों तक जमीन खाली पड़ी रहती है और देखते ही देखते वहां एक पूरी बस्ती खड़ी हो जाती है।

विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए केवल बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत एक ऐसी दूरदर्शी नीति की है, जिसमें अतिक्रमण रोकने की व्यवस्था शुरूआत से ही सख्त और प्रभावी हो। सरकारी जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सर्वेक्षण, स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई इस दिशा में जरूरी कदम हो सकते हैं। साथ ही शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजनाओं को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और रोजगार के करीब लागू करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे मजबूरी में अवैध कब्जे की ओर न जाएं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर ईमानदार आत्ममंथन करना होगा। वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना अंततः समाज और शासन दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो और अवैध कब्जे को किसी भी स्तर पर समर्थन न मिले, तो ऐसी स्थितियां स्वतः कम होंगी। सरकारी भूमि जनता की साझा संपत्ति है और इसका उपयोग योजनाबद्ध विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए होना चाहिए, न कि अव्यवस्था और अवैध कब्जों के लिए। अंततः सवाल यही है कि क्या हम समस्या के मूल कारणों पर गंभीरता से विचार करेंगे या हर बार बुलडोजर के बाद कुछ दिनों की संवेदना दिखाकर आगे बढ़ जाएंगे। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाले वर्षों में बेघर होने वालों की संख्या और बढ़ेगी, सामाजिक असंतोष गहराएगा और विकास का दावा खोखला साबित होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल और समाज मिलकर इस जटिल समस्या का मानवीय, न्यायपूर्ण और दूरगामी समाधान तलाशें, ताकि विकास भी हो और किसी का जीवन उजड़ने से भी बच सके।

समुचित देश एवं विभिन्न प्रांतो में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके लोगों ने न केवल अपने मकान बने कुछ भी खड़े कर लिए हैं कुछ व्यापारिक संस्थान और कुछ संस्थाएं भी संचालित हो रही है जब सरकार की नींद खुलती है तो इन सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करके बनाए गए मकान में रहने वाले लोगों को बेघर किया जाता है या उन्हें अन्यत्र बसाने की योजनाएं लागू की जाती है जिससे इन परिवारों और उनके सदस्यों की न केवल बेघर होने की समस्या खड़ी होती है बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं भी खड़ी होती है इन गतिविधियों को संचालित करने में विभिन्न राजनीतिक दलों को अपना वोट वोट बैंक दिखाई देता है और यह राजनीतिक दल ही ऐसी सरकारी भूमि पर लोगों को बचाने के षड्यंत्र करते हैं फिर उन्हें विस्थापित होने पर आंदोलन खड़े किए जाते हैं और अन्यत्र बसाने की मांग की जाती है यह भारत की एक जटिल समस्या है। क्यों नहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने की स्थितियों को सरकार पहले से ही गंभीरता से लेती?

गन्ना मील चंदनपुर परिसर में विशेष यातायात जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद तहसील हसनपुर के अंतर्गत चंदनपुर स्थित गन्ना मील परिसर में किसानों एवं गन्ना ढोने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष यातायात प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) महेश कुमार, यातायात प्रभारी अनुज कुमार मलिक, जनपद अमरोहा तथा अनिल कुमार जग्गा (जेएम, गन्ना मील) सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों द्वारा किसानों एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों के महत्व से अवगत कराते हुए उनके पालन के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर एआरटीओ महेश कुमार ने कहा कि गन्ना पेराई सत्र के दौरान बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं अन्य भारी वाहन सड़कों पर संचालित होते हैं, ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े सड़क हादसे का कारण बन सकती है। उन्होंने वाहन चालकों से ओवरलोडिंग न करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा वाहन के सभी आवश्यक कागजात पूर्ण एवं अद्यतन रखने की अपील की। यातायात प्रभारी अनुज कुमार मलिक ने कोहरे के मौसम को ध्यान में रखते हुए विशेष सावधानी बरतने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कोहरे के कारण दृश्यता कम हो जाती है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए गन्ना ढोने वाले वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए, ताकि रात्रि एवं कोहरे के समय वाहन दूर से ही स्पष्ट दिखाई दें और दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके। कार्यक्रम के दौरान वाहन चालकों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, इंडिकेटर, हेडलाइट, ब्रेक लाइट एवं रिफ्लेक्टर के सही प्रयोग की जानकारी दी गई। साथ ही सभी से यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई। गन्ना मील प्रबंधन द्वारा इस पहल की सराहना करते हुए कहा गया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम किसानों एवं वाहन चालकों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं तथा इससे सड़क सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को यातायात नियमों का पालन करने एवं सुरक्षित वाहन संचालन की शपथ दिलाई गई।

अंबेडकर युवक संघ ने नवनिर्वाचित बार पदाधिकारियों का किया स्वागत

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ शाखा हसनपुर के प्रतिनिधि मंडल द्वारा नवनिर्वाचित तहसील बार हसनपुर अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह एवं महासचिव ब्रजकिशोर सिंह एडवोकेट का फूल मालाएं पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बताया कि अभी हाल ही में बार एसोसिएशन तहसील हसनपुर के सम्पन्न हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर गजेन्द्र सिंह एडवोकेट और महासचिव पद पर ब्रजकिशोर सिंह एडवोकेट निर्वाचित हुए हैं। दोनों एडवोकेट साथी सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हैं। और गरीब एवं असहाय लोगों की दिल खोलकर मदद करते हैं। संगठन के कार्यकताओं इनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की गई। इनके बार अध्यक्ष और महासचिव बनने से निश्चित रूप से बार एसोसिएशन को मजबूती मिलेगी और पहले से बेहतर सुगमता के साथ कार्य होंगे। गजेन्द्र सिंह के अध्यक्ष और ब्रजकिशोर सिंह के महासचिव पद पर निर्वाचित होने पर नगरवासियों में भी खुशी का माहौल है। कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह ने कहा कि बार के समस्त निर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए संगठन को गर्व की अनुभूति हो रही है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज में एकरूपता आती है। इस अवसर पर अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह, डॉ महेश चंद्र, मलखान सिंह,दिनेश कुमार, कपिल कुमार, सुरभित गुप्ता एडवोकेट, मेघराज सिंह एडवोकेट, शिवचरण सिंह एडवोकेट,सुरेश सिंह, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

राशन कार्ड धारकों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने का अभियान तेज

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा अनुरूप जनपद में सभी पात्र गृहस्थी और अंत्योदय राशन कार्ड धारकों के परिवारों से कम से कम एक सदस्य को उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों में जोड़ने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना, स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना और उनकी आजीविका को मजबूत करना है। जनपद में कुल पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक 281051 तथा अंत्योदय राशन कार्ड धारक 15316 हैं। इनमें से अब तक 57218 कार्डधारकों के परिवार या वे स्वयं सहायता समूह से जुड़ चुके हैं। शेष 1,89,149 कार्डधारकों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विशेष रूप से जनवरी माह में अभियान के तहत 16,000 कार्डधारकों के परिवारों से एक सदस्य को मौजूदा समूहों में शामिल करने या नए समूह गठित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने राशन डीलरों और आपूर्ति निरीक्षकों की बैठक आयोजित की। बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राशन वितरण के दौरान कार्डधारकों को योजना की जानकारी दें तथा समूह गठन की बैठकों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। राशन डीलरों को महिला गृहस्थियों को समूह में जोड़ने के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करने को कहा गया है। यह अभियान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की व्यापक नीति का हिस्सा है,

इस मौके पर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की माध्यमिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिसमें समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिलाधिकारी द्वारा विद्यालयवार हो रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गयी। डीएम ने कार्यदाई संस्थाओं को निर्देशित किया कि निमार्णाधीन कार्यों को गुणवत्तापरक तरीके से तेजी लाते हुए निर्धारित समय अवधि में पूर्ण कराया कराया जाए। बैठक में प्रधानाचार्यों से उनके विद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। कुछ विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के द्वारा निर्माण कार्य की कार्य पूर्णता पर शिकायत की गयी। राजकीय हाईस्कूल रहरई में कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण करते समय पूर्व से निर्मित टॉयलेट ब्लॉक के पानी के टैंक तोड़ दिये गये हैं। राजकीय हाईस्कूल अल्लीपुर खादर में कार्यदायी संस्था द्वारा विद्यालय में पूर्व से निर्मित टॉयलेट ब्लॉक के यूरिनल व सामग्री को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। राजकीय हाईस्कूल देहरी गूर्जर में भी कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्यों में लापरवाही की जा रही है। तत्क्रम में जिलाधिकारी द्वारा कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस को उक्त विद्यालय भवनों में निर्मित टॉयलेट ब्लॉक एवं सामग्री क्षतिग्रस्त करने तथा कमियों को पूर्ण न करने के कारण नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिये गये। साथ ही उक्त कार्य तत्काल पूर्ण कराकर अवगत कराने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कार्यदाई संस्था सीएंडडीएस के अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी जगह विजिट करें और प्रतिदिन फोटो सहित रिपोर्ट उपलब्ध कराएं।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्यदाई संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गांधी सभागार कलेक्ट्रेट अमरोहा में संपन्न हुई। हाईवे पर अवैध कट के कारण होने वाली दुघर्टनाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने एनएच के अधिकारियों को अवैध कटों को तुरंत बंद करने के निर्देश दिए। गजरौला चौपला पर लगने वाले जाम के विषय में भी चर्चा हुई और इस समस्या को भी खत्म करने के लिए एनएच और ट्रेफिक पुलिस के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एआरटीओ को स्कूल की छुट्टी के चलते स्कूली वाहनों की जांच कराने के निर्देश दिए गए। जोया पुल के नीचे अतिक्रमण हटाने के लिए अधिशासी अधिकारी, एन एच और ट्रेफिक पुलिस को निर्देश दिए गए। एम्बुलेंस सेवा के रेस्पॉन्स टाईम सही न होने के कारण डिप्टी सीएमओ पर से नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे सही करने के निर्देश दिए गए। एआरटीओ प्रवर्तन के द्वारा अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों के लिए होल्डिंग स्टेशन की जगह की मांग करने पर जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अधिकारी नगरपालिका को इसके लिए स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ए आर टी ओ प्रवर्तन महेश शर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गौरव रंजन, सी ओ ट्रेफिक शक्ति सिंह, अनिल जग्गा सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य और संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा गुरुवार को कलक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होने बाट माप निरीक्षक कार्यालय, जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा कार्यालय, औषधि निरीक्षक कार्यालय और अभियोजन कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट परिसर में साफ-सफाई रखने के साथ ही कार्यालय के आस-पास रास्तों की सफाई रखने के निर्देश दिए जिससे आम जन को आने में कोई दिक्कत न हों। जिलाधिकारी ने परिसर में सौंदर्यकरण कार्यों पर विशेष ध्यान देने को कहा। निर्वाचन कार्यालय के पास भूमि पर साफ सफाई एवं पौधरोपण कराने के साथ सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में स्थित शौचालय की मरम्मत कराने के साथ स्वच्छता का ध्यान रखने के निर्देश नाजिर सदर को दिए। इसके साथ उन्होंने डिप्टी कलेक्टर एवं जनगणना के स्टॉफ के बैठने के दृष्टिगत भी भवन का निरीक्षण किया। निष्प्रयोज्य सामान का उचित निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश, प्रशासनिक अधिकारी शैलेन्द्र शर्मा, नाजिर सदर राजेश कुमार सहित संबंधित उपस्थित रहे।

सीएससी संचालक ने आयोजित किया साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

अमरोहा(सब का सपना:- जनपद के ग्राम कांकरखेड़ा में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालक धर्मेंद्र सिंह द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गांव के आम नागरिकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए। आज के दौर में मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिसके साथ ही साइबर ठगी और ऑनलाइन फ्रॉड के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए सीएससी संचालक धर्मेंद्र सिंह ने यह सराहनीय पहल की। कार्यक्रम में उन्होंने उपस्थित लोगों को अनजान कॉल, फर्जी लिंक क्लिक करने, ओटीपी शेयर करने और ऑनलाइन ठगी से बचने के तरीके बताए। धर्मेंद्र सिंह ने सलाह दी कि मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें, इसे नियमित रूप से बदलते रहें और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। साथ ही सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को डिजिटल रूप से सुरक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने साइबर सुरक्षा के प्रति नई समझ हासिल की और भविष्य में सतर्क रहने का संकल्प लिया। इस तरह की स्थानीय स्तर की पहल ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

अमरोहा में 14 जनवरी तक कक्षा 8 तक स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित

लगातार पड़ रही ठंड के चलते बीएसए ने लिया निर्णय

अमरोहा (सब का सपना) जनपद में लगातार पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने जनपद में कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में 14 जनवरी तक अवकाश घोषित किया है। उनके आदेश अनुसार जनपद में नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी स्कूल 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। अमरोहा बेसिक शिक्षा अधिकारी ने यह कदम लगातार पड़ रही कड़ाके की ठंड और शीत लहर के चलते उठाया है। बता दें कि अमरोहा जनपद में काफी दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है, साथ ही पूरा दिन सर्द ठंडी ठंडी हवाएं भी पूरा दिन चल रही है। इस ठंड के कारण लोगों को पूरा-पूरा दिन सूर्य देव के भी दर्शन नहीं हो पा रहे हैं। धूप न निकलने के कारण बच्चों की स्कूल की ड्रेस भी सूख नहीं पा रही हैं। ठंड के कारण बच्चों को स्कूल आने जाने में भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गुरुवार को बढ़ती ठंड और घने कोहरे को देखते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) डॉ मोनिका सिंह ने यह निर्णय लिया है। इससे पहले भी शीत लहर के कारण स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया था जिसके बाद स्कूलों को हाल में तीन दिन के लिए खोला गया था, लेकिन अब फिर से ठंड को देखते हुए छोटे स्कूली बच्चों के लिए 14 जनवरी तक के लिए पुनः अवकाश घोषित किया गया है।

थाना आदमपुर में कुल 24 दोपहिया मालमुकदमाती वाहनों की गई निलामी

नीलामी से 90 हजार का राजस्व प्राप्त

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना परिसर व परिसर के बाहर बेतरतीब तथा बेहिसाब संख्या में दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं। जिसकी वजह से थाने की काफी अधिक भूमि व्यर्थ हो जाती है व दैनिक थाना कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हुए हैं । जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद में 'आपरेशन क्लीन-2' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत लगातार कार्यवाही की जा रही है।

गुरुवार को क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी, प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह थाना आदमपुर, नायब तहसीलदार परमानन्द श्रीवास्तव तहसील हसनपुर, एचएम हे0का0 318 कर्मवीर सिंह थाना आदमपुर जनपद अमरोहा की गठित कमेटी द्वारा थाना आदमपुर में मालमुकदमाती के कुल 24 दोपहिया वाहन वाहनों की नीलामी थाना आदमपुर परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी ।

जिससे कुल नीलामी की धनराशि कुल ₹ 90,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा। ज्ञात रहे कि अभी तक जनपद भर में अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक कुल 363 वाहनों की नीलामी कर ₹ 51,12,884/-(51 लाख 12 हजार 884 रुपये) राजस्व प्राप्त किया गया है।

थाना नौगावां सादात पुलिस द्वारा पशु चोरी की घटना का किया गया खुलासा

कब्जे से चोरी की गयी एक भैंस व घटना में प्रयुक्त एक छोटा हाथी बरामद

नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना नौगावां सादात पुलिस टीम द्वारा पशु चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।जिसके कब्जे से चोरी की गयी एक भैंस व घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी बरामद किया गया। अभियुक्त अंतर्जनपदीय स्तर का अपराधी है। जिसके द्वारा अन्य थाना व जनपद में भी पशु चोरी जैसे अपराध कारित किए गए है। बुधवार की रात्रिकालीन थाना नौगावां सादात पुलिस द्वारा गांव जाजरू नहर पुलिया से धनौरा की तरफ जाने वाले रास्ते पर तिराहे से आगे चैकिंग के दौरान एक छोटा हाथी एक भैंस सहित अभियुक्त मंजीत को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से 2/3 जनवरी की रात्रि चोरी की गयी बरामद भैंस के सम्बन्ध में थाना नौगावां सादात पर मु0अ0सं0 06/2026 धारा 305 इठर पंजीकृत है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(2) बी0एन0एस0 की वृद्धि कर अभियुक्त को यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति की अध्यक्षता में कानून-व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री धर्मवीर प्रजापति की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में जनपद की कानून-व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में शांति एवं सौहार्द बनाए रखना तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करना रहा। मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कानून-व्यवस्था की स्थिति की

विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जनपद में शांति, सौहार्द एवं कानून का राज हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता तथा संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखने पर विशेष बल दिया। मंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए। इसके अलावा, बैठक में प्रदेश सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं एवं निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति की भी गहन समीक्षा की गई। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की विस्तृत जानकारी ली और समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मंत्री को जनपद में चल रहे विकास कार्यों एवं कानून-व्यवस्था की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखे।मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए तथा विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। बैठक के समापन पर मंत्री ने विश्वास जताया कि संभल जनपद में शांति एवं विकास के नए कीर्तिमान स्थापित होंगे।

शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण को पालिका ने कराया ध्वस्त

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा क्षेत्र अंतर्गत स्थित शासकीय भूमि पर किये गए अवैध निर्माण को पालिका अधिकारियो / कर्मचारियों द्वारा ध्वस्त कर उस पर किये जा रहे कब्जे को जेसीबी द्वारा हटाया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की नगर के धनोरा रोड पर निजामपुर गर्बी मे स्थित भूमि जो विशुद्ध रूप से ग्राम समाज / शासकीय भूमि है तथा उक्त भूमि मे शमशान भी स्थित है, पालिका सीमा विस्तार के उपरांत इस भूमि का स्वामित्व नगर पालिका परिषद अमरोहा मे निहित है। इसी भूमि मे शासन द्वारा कल्याण मंडप का निर्माण कराया गया है। पालिका द्वारा इसी भूमि पर जीर्णोद्धार कार्य भी कराये जा रहे हैं पूर्व मे भी पालिका द्वारा इस भूमि पर हुए कब्जे को

हटवाया गया था। पालिका को बीते दिन सूचना प्राप्त हुई की इस शासकीय / पालिका भूमि पर कुछ लोगो द्वारा अवैध रूप से निर्माण कार्य कराया जा रहा है, सूचना पर तत्काल मौके पर पालिका टीम को भेजा गया तथा कार्य को रुकवा दिया गया तथा आज पालिका कर अधीक्षक के नेतृत्व मे पालिका टीम द्वारा जेसीबी से उक्त अवैध निर्माण को ध्वस्त कर भूमि को समतल कर दिया गया। साथ ही शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले लोगो के विरुद्ध सुसंगत धाराओं मे विधिक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा चेतावनी जारी करते हुए कहा गया है की शासकीय / पालिका भूमि पर यदि किसी के द्वारा कब्जे, अतिक्रमण, अवैध निर्माण का मामला संज्ञान मे आता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किये जाने के आरोप मे विधिक कार्यवाही की जाएगी। आज की कार्यवाही मे पालिका के कर अधीक्षक, अवर अभियंता, राजस्व निरीक्षक, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सहित बड़ी संख्या मे पालिका स्टॉफ उपस्थित रहा।

जायंट्स ग्रुप की महिलाओं ने धूमधाम से मनाया नववर्ष, लोहड़ी और मकर संक्रांति

संभल(सब का सपना):- जनपद सिटी के यशोदा रेस्टोरेंट में बुधवार को जायंट्स ग्रुप की महिलाओं ने नए साल की शुरूआत को बेहद उत्साह और धूमधाम से मनाया। साथ ही लोहड़ी और मकर संक्रांति के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान गणेश की वंदना से हुई, जिसके बाद श्वेता शर्मा के मधुर स्वागत गीत ने समां बांध दिया। ग्रुप की अध्यक्ष नीरू चहल ने कुशल संचालन कर पूरे कार्यक्रम को रोचक और सुचारू रूप से आगे बढ़ाया। महिलाओं ने भरपूर मनोरंजन किया। साधना अरोड़ा, शैली भारद्वाज, क्षमता गुप्ता, रूपाली गुप्ता, गरिमा

मंगिया और नेहा गुप्ता ने विभिन्न गेम्स और हाउजी का आयोजन किया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खूब आनंद उठाया। डॉ. उर्वशी ने रोचक पहेलियां पूछीं, जबकि डॉ. सुनीता गुप्ता ने सभी को पर्वों की बधाई दी। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा रहा एक फिल्मी स्टोरी पर आधारित अभिनय, जिसमें प्रियंका गुप्ता, ऋतु रस्तोगी, नीरू चहल और शैली भारद्वाज ने शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। ब्लैक ड्रेस और पटियाला सूट में सजी महिलाओं ने डांस कर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। अंत में ग्रुप अध्यक्ष नीरू चहल ने सभी सदस्यों तथा देशवासियों को नववर्ष, लोहड़ी और मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, हमारे त्योहार प्रेम, एकता और खुशियों के प्रतीक हैं। कार्यक्रम में मंजू अरोड़ा, नेहा, मोनिका, अलका, अनीता, दीपा, दीबा, रजिया, निदा, नाहिद, उषा, मंजू, राधिका, गायत्री, रानी, रेखा, रिया, रुचि, रूही, श्वेता शर्मा, सोनिया, वंदना, अर्चना, शिखा सहित ग्रुप की कई अन्य महिलाएं शामिल रही। यह आयोजन महिलाओं में उत्साह, एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का बेहतरीन उदाहरण बना।

सूफी हजरत मौलाना अख्तर हुसैन वारसी का वार्षिक उर्स संपन्न

अमन-शांति और भाईचारे की गई दुआ

संभल(सब का सपना):- नगर के मोहल्ला चौधरी सराय स्थित दादा मियां हजरत फखरुद्दीन रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर सूफी हजरत मौलाना अख्तर हुसैन साहब वारसी रहमतुल्लाह अलैह का वार्षिक परंपरागत उर्स मुबारक अमन, शांति और भाईचारे की दुआओं के साथ संपन्न हो गया। गुरुवार को सुबह कुरान ख्वानी के बाद दरगाह परिसर में महफिल-ए-कव्वाली का आयोजन हुआ। इसमें असलम शान वारसी कव्वाल ने सूफियाना कलाम

पेश कर समां बांध दिया। इसके बाद कुल शरीफ का आयोजन किया गया, जिसमें कुरान पाक की तिलावत हुई और देश-दुनिया में अमन-शांति तथा भाईचारे की विशेष दुआएं मांगी गईं। अकीदतमंदों ने हाथ उठाकर दुआ में शिरकत की। उर्स में चादरपोशी की रस्म अदा की गई और सभी अकीदतमंदों को तब्बरुक वितरित किया गया। बड़ी संख्या में अकीदतमंद उर्स में हाजिरी देने पहुंचे। इस मौके पर मौलाना यासीन वारसी, जुबैर वारसी, फखरे आलम वारसी, नदीम वारसी, जमाल वारसी, आसिफ वारसी, माज वारसी, खालिद हुसैन वारसी, आलम हुसैन वारसी, शमीम वारसी और मौ. रफी वारसी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

वाल्मीकि समाज सफाई कर्मचारी एकता महासम्मेलन की तैयारियां तेज, मंडलायुक्त को दिया निमंत्रण

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ की ओर से आयोजित होने वाले वाल्मीकि समाज सफाई कर्मचारी एकता महासम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। इस क्रम में कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार राजवर ने मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह को कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण पत्र सौंपा। मंडलायुक्त ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद महासम्मेलन में शामिल होने की दृढ़ सहमति व्यक्त की। उन्होंने आयोजकों को शुभकामनाएं

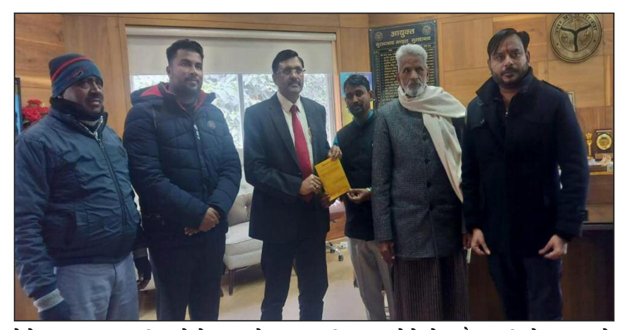

देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज की एकता और सफाई कर्मचारियों के हितों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निमंत्रण देने के दौरान विशेष रूप से विक्की राज एडवोकेट (पूर्व संयुक्त सचिव, बार एसोसिएशन रामपुर), राजेंद्र सहदेव (प्रदेश प्रमुख महामंत्री), सुनील लस्करी (प्रदेश संगठन मंत्री) और विशाल वाल्मीकि (जिला महामंत्री) उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि महासम्मेलन में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और अधिकारों पर व्यापक चर्चा होगी, साथ ही समाज की एकजुटता को मजबूत करने का संकल्प लिया जाएगा। यह महासम्मेलन वाल्मीकि समाज और सफाई कर्मचारियों के लिए एक बड़ा मंच साबित होने की उम्मीद है। तैयारियां अंतिम चरण में हैं और जल्द ही कार्यक्रम की तिथि व स्थान की घोषणा की जाएगी।

पुलिस पेंशनर्स की समस्याओं पर खुलकर हुई चर्चा, कानून व्यवस्था में सहयोग और साइबर जागरूकता पर जोर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में गुरुवार को बहजोई स्थित पुलिस लाइन के सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस पेंशनर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। पेंशनर्स को अपने अनुभव और ज्ञान का उपयोग करके जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया गया। साथ ही, बढ़ते साइबर अपराधों के खतरे को देखते हुए

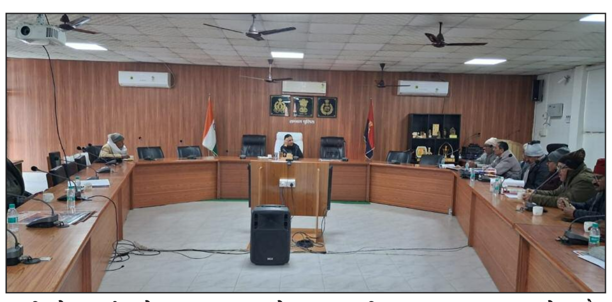

सभी पेंशनर्स को इस संबंध में जागरूक किया गया ताकि वे खुद सुरक्षित रहें और अपने परिजनों व आसपास के लोगों को भी सतर्क कर सकें। इस दौरान पेंशनर्स को स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा, कानूनी सहायता प्राप्त करने और शिकायत निवारण के लिए उपलब्ध तंत्र के बारे में भी बताया गया। बैठक में पेंशनर्स को अपनी समस्याएं और अनुभव खुलकर साझा करने का पूरा अवसर दिया गया। उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से नोट किया गया और उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने कहा कि इस तरह की बैठकों से पुलिस परिवार और सेवानिवृत्त कर्मियों के बीच संवाद मजबूत होता है, जिससे स्थानीय स्तर पर समस्याओं का त्वरित निराकरण संभव हो पाता है। बैठक का मुख्य उद्देश्य पेंशनर्स के बीच सहयोग की भावना को बढ़ावा देना और उन्हें समाज व पुलिस के साथ जोड़े रखना था। बैठक में बड़ी संख्या में पुलिस पेंशनर्स उपस्थित रहे और सभी ने इस पहल की सराहना की।

ब्लॉक परिसर में भाकियू टिकैत की बैठक

अधिकारियों ने कार्यवाही करने का दिया आश्वासन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक बैठक का आयोजन किया ।इस बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे जिन्होंने किसने की मांगों पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। बता दें कि गुरुवार को आयोजित हुई इस बैठक में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए बैंकों में किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) के नाम पर धांधली का मुद्दा उठाया, उन्होंने आरोप लगाया कि प्रिंटर खराब होने का बहाना बनाकर किसानों को टरकाया जा रहा है, इसके अतिरिक्त आजमपुर चकबंदी क्षेत्र में फोती विरासत दर्ज करने और विद्युत विभाग द्वारा गलत बिल भेजना

जैसी समस्याएं भी सामने रखी गई किसानों ने धनौरा,फीना व नूरपुर रोड पर सरकारी रोडवेज बसेस चलाने की मांग की, उन्होंने वन विभाग से झुके हुए पेड़ों को कटवाने की मांग की जिससे सड़क हादसों को रोका जा सके। इसके अलावा धनौरा शहर में ई-रिक्शा के कारण शेरपुर चुंगी पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने की बात रखी गई। तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह ने भविष्य की बैठकों में संबंधित विभाग के अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की। बैठक के दौरान ब्लॉक परिसर में संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ चंद्रपाल सिंह ,ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चीमा ,तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह, जिला मीडिया प्रभारी फूलवास सिंह, जिला महासचिव मुन्नू गुर्जर हरिश्चंद्र सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष ,निरंजन सिंह, सतपाल सिंह, भूदेव सिंह पूर्व प्रधान चेतन प्रधान ,जयपाल सिंह, विरासत सलमानी, देवेंद्र सिंह ,धर्मवीर सिंह, कल्याण सिंह, सोनू सिद्धू सरदार जसवंत सिंह ,योगेश शर्मा, अरुण गिल, जमील अहमद, कृपाल सिंह यादव ,सूरत राम बलवीर सिंह ,जगबीर सिंह, जोगेंद्र, कांशी, बढ़ता सिंह ,शौकत अली, सुखदेव सिंह ,राजपाल ,सोमपाल, शीशपाल, वीर सिंह ,चंद्रप्रकाश, कैलाश, जितेंद्र, अहमद गफ्फार सैफी, इरफान ,इमरान ,इरशाद ,शमशेर, रिफाकत ,भारतपाल सहित सैकड़ो की संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यातायात पुलिस का जागरूकता अभियान, चालान की जगह हेलमेट खरीदने की सलाह

बबराला/संभल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा बबराला स्थित इंदिरा चौक पर यातायात पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करना था। पुलिस ने सख्ती दिखाने की बजाय मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए चालान काटने के स्थान पर वाहन चालकों को हेलमेट खरीदने की सलाह दी। अभियान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के कुशल निर्देशन में चलाया गया। क्षेत्राधिकारी यातायात एवं प्रभारी दुष्यंत बालियान तथा

यातायात उप निरीक्षक सुरेश कुमार की अगुवाई में पुलिस टीम ने इंदिरा चौक पर वाहनों की जांच की। बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए गए चालकों को रोका गया और उन्हें सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में समझाया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हेलमेट पहनना न केवल कानूनी आवश्यकता है, बल्कि यह जीवन रक्षा का सबसे सरल उपाय है। पुलिस टीम ने चालकों से अपील की कि वे तुरंत हेलमेट खरीदें और आगे से नियमित रूप से पहनें। इस अभियान से क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना और कई चालकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की। पुलिस अधीक्षक बिश्नोई के नेतृत्व में जनपद में यातायात नियमों का पालन बढ़ाने के लिए ऐसे जागरूकता अभियान निरंतर चलाए जा रहे हैं। यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें ताकि संभल की सड़कें सुरक्षित बनी रहें।

ग्राम चौपाल आयोजित, मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने योजनाओं की दी जानकारी

संभल (सब का सपना):- विकासखंड बनिया खेड़ा के पीएम श्री विद्यालय भुलावई में गुरुवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में सुशासन, स्वास्थ्य, आजीविका एवं शिक्षा थीम पर ग्राम चौपाल का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति तथा विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू, पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी एवं माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी के प्रतिनिधि चंद्रसेन दिवाकर ने भाग लिया। चौपाल की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से हुई। विभिन्न विभागों ने स्वास्थ्य, आईसीडीएस, शिक्षा एवं कृषि योजनाओं के स्टॉल लगाए।

समाज कल्याण विभाग ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (अब 1 लाख रुपये सहायता) एवं पेंशन योजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान कार्ड, टीकाकरण आदि पर जागरूक किया, जबकि कृषि विभाग ने पीएम किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री आदि बताया। मंत्री एवं अतिथियों ने प्रधानमंत्री आवास लाभार्थियों, लखपति दीदी अनुपमा सिंह एवं किसान सम्मान निधि लाभार्थियों को सम्मानित किया। मंत्री प्रजापति ने विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम (मनरेगा की जगह नया कानून, अब 125 दिन रोजगार गारंटी) की विस्तार से जानकारी दी तथा ग्राम चौपाल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार बिना भेदभाव सभी को योजनाओं का लाभ दे रही है। चौपाल में आईसीडीएस विभाग ने गोद भराई एवं अन्नप्राशन कराया। बाद में मंत्री ने गांव की अस्थाई गौशाला का निरीक्षण कर गोवंश को चारा खिलाया एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदौसी का दौरा किया, जहां एनआरसी, डायलिसिस आदि वार्ड देखे तथा कुपोषण दूर करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. तरुण पाठक, भाजपा नेता अंकित जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

घर से निकलीं दो नाबालिग लड़कियां पुलिस ने की सकुशल बरामद, परिजनों को सौंपी

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के सरकारी क्वार्टर निवासी मीना उर्फ अफरोज (पत्नी दिलशाद) की 14 वर्षीय बेटी महक घर से बिना बताए चली गई थी। उनके साथ उनकी 16 वर्षीय सहेली उषा (पुत्री प्रेमपाल) भी गायब हो गई। मीना ने बुधवार को थाने में मौखिक शिकायत दर्ज कराई कि उनकी बेटी महक अपना मोबाइल साथ ले गई है। थानाध्यक्ष ने तुरंत सर्विलांस के जरिए मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की, जो चंदौसी रेलवे स्टेशन पर मिली। इसके बाद उप निरीक्षक ब्रजपाल सिंह को महिला कांस्टेबल ललिता और कांस्टेबल अजय कुमार के साथ तत्काल चंदौसी रेलवे स्टेशन भेजा गया। पुलिस टीम ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर दोनों नाबालिग लड़कियों को मौजूद पाया और उन्हें

सकुशल बरामद कर लिया। महिला कांस्टेबल ललिता की निगरानी में दोनों लड़कियों को बहजोई स्थित चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया। कमेटी ने काउंसलिंग के बाद दोनों को उनके परिजनों के सुपुर्द करने के आदेश दिए। आदेश का पालन करते हुए पुलिस ने दोनों लड़कियों को सुरक्षित उनके परिवार को सौंप दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों लड़कियां सहेली होने के कारण साथ गई थीं, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। मामला सामान्य घरेलू कारणों से जुड़ा प्रतीत होता है।

अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण शुरू

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश खाद्य एवं रसद विभाग के निर्देश पर जनपद सम्भल में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत अंत्योदय अन्न योजना और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को जनवरी 2026 का निःशुल्क खाद्यान्न वितरण शुरू हो गया है। यह वितरण 08 जनवरी से 28 जनवरी 2026 तक चलेगा। आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से जारी पत्रांक 36- 6 जनवरी के अनुसार, सम्भल में विशेष व्यवस्था लागू की गई है। इसमें बाजरा को शामिल कर लाभार्थियों को पौष्टिक अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। अंत्योदय अन्न योजना लाभार्थी प्रति कार्ड 35 किलो खाद्यान्न निःशुल्क। इसमें 14 किलो गेहूं, 11 किलो चावल और 10 किलो बाजरा (चावल के स्थान पर)। पात्र गृहस्थी लाभार्थी प्रति यूनिट 5 किलो खाद्यान्न निःशुल्क। इसमें 2 किलो बाजरा, 1 किलो चावल और 2 किलो गेहूं। वितरण में पोर्टेबिलिटी सुविधा उपलब्ध रहेगी, यानी कोई भी लाभार्थी किसी भी उचित दर दुकान से अपना खाद्यान्य ले सकता है। आधार प्रमाणीकरण से वंचित लाभार्थियों के लिए मोबाइल OTP वेरिफिकेशन की व्यवस्था भी की गई है। जिला पूर्ति विभाग ने सम्भल के सभी अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थियों से अपील की है कि जिन्होंने अभी तक अपनी ई-केवाईसी नहीं कराई है, वे निकटतम उचित दर दुकान पर जाकर शीघ्र ई-केवाईसी करा लें। ई-केवाईसी न होने पर आगे राशन वितरण में समस्या हो सकती है।

तुर्कमान गेट हिंसा: तीस हजारी कोर्ट ने 5 पत्थरबाजों की हिरासत 13 दिन बढ़ाई, अतिक्रमण हटाने पर जमकर किया था हंगामा

नई दिल्ली। फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई पत्थरबाजी के मामले में तीस हजारी कोर्ट ने सभी पांच आरोपितों की न्यायिक हिरासत 13 दिनों के लिए बढ़ा दी है। आरोपितों को उनकी शुरूआती एक दिन की हिरासत पूरी होने के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट शुक्रवार को उनकी जमानत अर्जियों पर सुनवाई करेगा। बता दें कि राजधानी के रामलीला मैदान के पास स्थित तुर्कमान गेट इलाके में बुधवार तड़के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान भारी हिंसा भड़क गई थी। नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) द्वारा हाईकोर्ट के निर्देश पर सैयद फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया जा रहा था। सुबह करीब 12:40 बजे 30-35 लोगों की हिंसक भीड़ ने बैरिकेड्स तोड़कर पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया था। इस हमले में दिल्ली पुलिस के कम से कम पांच जवान घायल हो गए थे।

दिल्ली में ठोस कचरा प्रबंधन से पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी का खतरा, एनजीटी ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली। दिल्ली में ठोस कचरा प्रबंधन की नाकामी पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि दिल्ली का ठोस कचरा प्रबंधन जन-स्वास्थ्य आपातकाल को जन्म दे सकता है। एनजीटी ने रिकार्ड पर लिया कि दिल्ली में प्रतिदिन 11,000 टन से अधिक ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जबकि केवल आठ हजार टन को ही उपचारित किया जाता है। वहीं प्रतिदिन करीब 3,000 टन बिना उपचारित कचरा जमा हो रहा है। एनजीटी ने दिल्ली सरकार को मामले पर नियमित प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। नौ एसटीपी नहीं कर रहे निर्धारित मानकों के तहत काम वहीं, दूसरी तरफ यमुना में प्रदूषण व सीवेज प्रबंधन के मुद्दे पर एनजीटी ने रिकार्ड पर लिया कि नौ एसटीपी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं काम कर रहे हैं और यमुना नदी में विशेषकर वजीराबाद बैराज से असगरपुर गांव तक बिना उपचारित सीवेज का बहाव जारी है। एनजीटी ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि सीवेज उत्पादन एवं सीवर कनेक्टिविटी, नालों में बहने वाले सीवेज/औद्योगिक अपशिष्ट पर रिपोर्ट दाखिल करें। साथ ही दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को यमुना नदी की जल गुणवत्ता से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

दिल्ली के कापसहेड़ा एक्सटेंशन में कबाड़ गोदामों और झुग्गियों में भीषण आग, आसमान में छाया काला धुआं

नई दिल्ली। साउथ वेस्ट दिल्ली के कापसहेड़ा एक्सटेंशन इलाके में मंगलवार तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एमसीडी टोल टैक्स के पास स्थित कबाड़ के गोदामों और झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं और घने धुएं से पूरा इलाका काले गुबार में तब्दील हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि आग से कबाड़ के गोदामों और झुग्गियों को भारी नुकसान पहुंचा है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। दमकल और पुलिस की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं।

गुरुओं के अपमान वाले फर्जी वीडियो पर विधानसभा में घमासान, आप-भाजपा विधायक आमने-सामने; 2 बार रुकी कार्यवाही

दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सिख गुरुओं के अपमान से जुड़े कथित फर्जी वीडियो को लेकर आप और भाजपा विधायकों के बीच भारी हंगामा हुआ। आप ने भाजपा पर साजिश का आरोप लगाया, जबकि मंत्री कपिल मिश्रा ने आतिशी को 'भगोड़ा' कहकर गुरुओं का अपमान करने ‹

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान बृहस्पतिवार को सिख गुरुओं के अपमान से जुड़े कथित फर्जी वीडियो को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों के बीच भारी हंगामा देखने को मिला। आप विधायकों ने इस वीडियो को फर्जी बताते हुए सदन में विरोध प्रदर्शन किया और भाजपा पर साजिश रचने का आरोप लगाया। आप विधायकों ने फर्जी वीडियो बनाने के नाम पर भाजपा विधायकों से माफी मांगने की मांग की। वहीं, सरकार की ओर से मंत्री कपिल मिश्रा ने आप नेता आतिशी को 'भगोड़ा' बताते हुए कहा कि उन्होंने गुरुओं का अपमान किया है और सदन का सामना करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही हैं। कपिल मिश्रा ने कहा कि आतिशी गुरुओं के खिलाफ अपमान करके एक पेशेवर अपराधी की तरह सदन से भाग चुकी हैं। केजरीवाल इस पाप में उन्हें बचाने का अपराध कर रहे हैं। एक तो चोरी, ऊपर से सीना जोरी। गुरुओं के खिलाफ इस अपमान के लिए केजरीवाल को ईश्वर कभी माफ नहीं करेंगे। हंगामे के चलते विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी। आधे घंटे बाद सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भाजपा विधायकों ने फिर से आतिशी से माफी की मांग को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। भाजपा विधायक विधानसभा अध्यक्ष के आसन के सामने आकर गुरुओं का अपमान नहीं सहेंगे के नारे लगाने लगे। भाजपा विधायकों का विरोध खत्म न होने पर सदन की कार्यवाही को एक बार फिर 30 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। गतिरोध को खत्म करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने दिल्ली सरकार के विधायी कार्य मंत्री प्रवेश वर्मा, भाजपा विधायक दल के चीफ व्हिप अभय वर्मा, आप के उप नेता प्रतिपक्ष मुकेश अहलावत और पूर्व मंत्री इमरान हुसैन को अपने कक्ष में बुलाने का निर्देश दिया और दोनों पक्षों से सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए सहयोग की अपील की। इधर, सदन में आप विधायकों ने मंत्री कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर भी जोरदार प्रदर्शन किया, जिससे पूरे शीतकालीन सत्र के दौरान लगातार गतिरोध बना रहा। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही अबकी बार आप विधायक और भाजपा विधायक दोनों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ जोरदार नारेबाजी शुरू हो गई। भाजपा विधायक जहां आतिशी से माफी की मांग को लेकर 'गुरुओं का अपमान नहीं सहेंगे' के नारे लगा रहे थे, वहीं आप विधायक मंत्री कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग करते हुए उनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। दोनों पक्षों के आमने-सामने आ जाने से सदन का माहौल पूरी तरह गरमा गया और हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा था, जिसके चलते विधानसभा अध्यक्ष को एक बार फिर सदन की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

जाफराबाद डबल मर्डर केस का खुलासा, 50 गोलियां बरसाने वाले दो शूटर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। जाफराबाद के चौहान बांगर में बीते 16 दिसंबर को हथियार सप्लायर नदीम और फजील नाम के व्यक्तियों की 50 गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। हथियारों के दिल्ली व पड़ोसी राज्यों के सबसे बड़े तस्कर सलीम पिस्टल ने पिछले साल स्पेशल सेल को दिए बयान में नदीम को अवैध हथियार आपूर्ति करने की बात कही थी। नदीम ने पूछताछ में दानिश का नाम बता दिया था जिससे गुस्से में दानिश ने नदीम व उसके भाई की हत्या ही कर दी थी।...तो बच जाती नदीम और उसके भाई की जान स्पेशल सेल द्वारा नदीम व दानिश को अगर समय रहते गिरफ्तार लिया गया होता जब हो सकता है नदीम व उसके भाई की जान बच सकती थी। नवंबर व दिसंबर में आया नगर के बाद जाफराबाद में दूसरी ऐसी घटना घटी थी, जिसमें बदमाशों ने 50 गोलियां मारकर राजधानी की कानून व्यवस्था को चुनौती दी थी। पहले से ही दर्ज हैं दर्जनों मामले डीसीपी क्राइम ब्रांच के मुताबिक गिरफ्तार किए गए बदमाशों के नाम असद अमीन व मोहम्मद दानिश है। असद अमीन, चौहान बांगर, जाफराबाद का रहने वाला है। उस पर पहले से पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। मोहम्मद दानिश, जाफराबाद का रहने वाला है और उस पर पहले से 25 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों कुख्यात गैंग्स्टर हाशिम बाबा गिरोह के शूटर हैं। डीलिंग के सिलसिले में नदीम का नाम बताया वारदात वाले दिन 16 दिसंबर को जाफराबाद में दो सगे भाइयों की 50 गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या को अंजाम देने के बाद दोनों हत्यारे मौके से फरार हो गए थे भाग गए थे। यह हत्या अवैध हथियारों की डीलिंग से जुड़ी बदले की कार्रवाई थी। अगस्त में कुख्यात हथियार तस्कर सलीम पिस्टल को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान, सलीम पिस्टल ने अवैध हथियारों की डीलिंग के सिलसिले में नदीम का नाम बताया था। दो हवलदार के बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं नदीम ने पूछताछ में पुलिस को दानिश का नाम बता दिया था। तब से दानिश फरार था और नदीम द्वारा उसका नाम बताए जाने का बदला लेने की योजना बना रहा था। आठ जनवरी को क्राइम ब्रांच को दोनों आरोपित के गाजीपुर पेपर मार्केट में आने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने जब उन्हें समर्पण करने को कहा तब उन्होंने पुलिस टीम पर गोलियां चला दी। दो हवलदार के बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोलियां लगने से वे बाल-बाल बच गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैरों में गोलियां लगने से वे घायल हो गए। हाशिम बाबा गिरोह को देते हैं हथियार इनके कब्जे से पवाइंट 30 बोर, एक प्वाइंट 32 बोर, एक नाइन एमएम के पिस्टल, 11 कारतूस, छह खोखे व एक स्कूटी बरामद की गई। असद अमीन, हाशिम बाबा गिरोह का मुख्य सदस्य है। 2024 में जीटीबी अस्पताल में हुई फायरिंग की घटना में भी वह शामिल था। मोहम्मद दानिश, हाशिम बाबा गिरोह को हथियार आपूर्ति करता था।

पटियाला हाउस कोर्ट ने ठग सुकेश चंद्रशेखर की सेटलमेंट याचिका पर सुनवाई टाली, 16 जनवरी को अगली तारीख

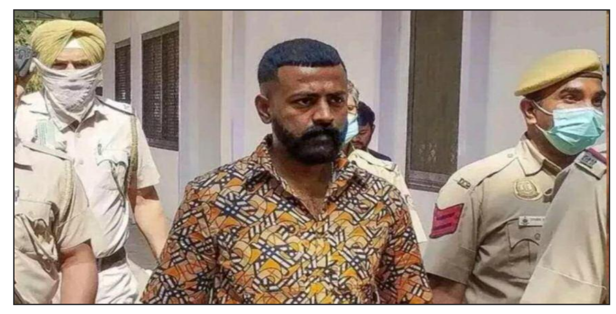

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने कथित 200 करोड़ रुपये के ठगी मामले में आरोपी सुकेश चंद्रशेखर की सेटलमेंट की मांग पर दायर याचिका पर सुनवाई टाल दी है। अदालत ने सुकेश के वकील को निर्देश दिया कि वह याचिका की एक प्रति शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराएं।kअदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 16 जनवरी की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान सुकेश चंद्रशेखर की ओर से बताया गया कि वह सेटलमेंट के तहत 217 करोड़ रुपये का भुगतान करने को तैयार है और शिकायतकर्ता अदिति सिंह के साथ समझौते की संभावना तलाशना चाहता है। कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता को याचिका की प्रति मिलने और उनका पक्ष सामने आने के बाद ही इस पर कोई निर्णय लिया जाएगा। इसी आधार पर मामले को अगली तारीख तक के लिए स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि सुकेश चंद्रशेखर पर कई बड़े वित्तीय घोटालों और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में आरोप हैं, जिनमें 200 करोड़ रुपये की ठगी का यह मामला प्रमुख है।

'उमर खालिद कभी मेरा गुरु नहीं रहा'...दिल्ली दंगा षड्यंत्र केस में शरजील इमाम का बड़ा बयान

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली दंगों से जुड़े षड्यंत्र के मामले में आरोपित शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा अदालत में अहम बयान देते हुए कहा कि उमर खालिद कभी उनके गुरु या मार्गदर्शक नहीं रहे। शरजील ने स्पष्ट किया कि उनके और उमर खालिद के बीच न तो जेएनयू के समय कोई नजदीकी संबंध था और न ही वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों से पहले या बाद में किसी प्रकार का समन्वय रहा। शरजील की ओर से यह दलील अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी की अदालत में आरोप तय किए जाने के दौरान दी गई। शरजील इमाम के वकील तालिब मुस्तफा ने अदालत को बताया कि अभियोजन पक्ष बिना ठोस साक्ष्यों के शरजील और उमर खालिद को जोड़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि शरजील ने अपने छात्र जीवन के दौरान कभी भी उमर खालिद के साथ किसी संगठनात्मक या वैचारिक गतिविधि में भाग नहीं लिया। बचाव पक्ष का कहना है कि शरजील के भाषणों को गलत अर्थों में पेश किया गया और उन्होंने हमेशा नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में शांतिपूर्ण और अहिंसक आंदोलन की ही वकालत की। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर के तहत आरोप लगाया है कि शरजील इमाम और उमर खालिद उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की साजिश का हिस्सा थे। पुलिस का दावा है कि यह साजिश सुनियोजित थी और इसका उद्देश्य हिंसा फैलाना था। हालांकि, शरजील इमाम ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया है। फिलहाल यह मामला अदालत में विचाराधीन है और अगली सुनवाई में अभियोजन तथा बचाव पक्ष अपने-अपने तर्क प्रस्तुत करेंगे।

फीस रेगुलेशन पर राजधानी के निजी स्कूलों को झटका, दिल्ली सरकार के आदेश पर रोक लगाने से एचसी का इनकार

नई दिल्ली। फीस को रेगुलेट करने के लिए दिल्ली के निजी स्कूलों को स्कूल-लेवल कमेटियां बनाने का निर्देश देने के दिल्ली सरकार के आदेश पर रोक लगाने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया। दिल्ली सरकार के आदेश की संवैधानिक वैधता पर बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इससे इनकार किया। हालांकि, अदालत ने पहले से तय 10 जनवरी की तारीख की जगह 20 जनवरी तक कमेटियां गठित करने की बात कही। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने साथ ही यह भी कहा कि स्कूल प्रबंधन की ओर से कमेटी को प्रस्तावित फीस जमा करने की आखिरी तारीख 25 जनवरी के बजाय पांच फरवरी तक बढ़ा दी जाएगी। अदालत ने उक्त आदेश निजी स्कूलों द्वारा दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिका में दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस तय करने और रेगुलेशन में पारदर्शिता) अधिनियम-2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी।

तुर्कमान गेट पर बुलडोजर एक्शन जारी, पथराव केस में अबतक 11 गिरफ्तार; मौलाना रशीद बोले - 'निर्दोष पर न हो कार्रवाई'

नई दिल्ली। तुर्कमान गेट इलाके में चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान और उसके दौरान हुए पथराव मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई तेज कर दी है। उपद्रवियों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छह और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसी के साथ इस मामले में कुल गिरफ्तारियों की संख्या 11 हो गई है। पुलिस का कहना है कि घटना के वीडियो, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय इनपुट के आधार पर सभी की पहचान की जा रही है और आगे भी गिरफ्तारियां संभव हैं। रामलीला मैदान की ओर से भी जारी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बुधवार तड़के एमसीडी द्वारा रामलीला मैदान की ओर से अतिक्रमण हटाने का काम जारी है। इसी दौरान तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अवैध निर्माण हटाए जाने को लेकर उपद्रव भड़क गया था। पुलिस और भीड़ के बीच झड़प हुई, पत्थरबाजी हुई जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। मौलाना खालिद बोले - "निर्दोष पर कार्रवाई न हो" तुर्कमान गेट पर हुए तनाव के बाद मौलाना खालिद रशीद ने शांति की अपील की है। उन्होंने कहा, "कानून अपना काम करे, लेकिन किसी भी निर्दोष व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।" अभियान के दौरान कड़ी सुरक्षा दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश के बाद एमसीडी ने अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। करीब 17 बुलडोजर तैनात किए गए और रात एक बजे से सुबह सात बजे तक लाइब्रेरी, बैंक्वेट हॉल, डिस्पेंसरी, पब्लिक टॉयलेट और कई बड़े ढांचे ध्वस्त किए गए। सुरक्षा एजेंसियों की जांच तेज इस इलाके की जमीन को लेकर याचिकाकर्ता और एमसीडी के बीच विवाद जारी है। एमसीडी का कहना है कि मस्जिद प्रबंध समिति या वक्फ बोर्ड के पास जमीन के स्वामित्व का कोई वैध दस्तावेज नहीं है। याचिका में यह भी उल्लेख है कि लाल किले के पास हुए कार विस्फोट मामले में आरोपी उमर इसी मस्जिद में 10 मिनट से अधिक समय रुका था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में निगरानी और कागजों की जांच बढ़ा दी थी। अतिक्रमण हटाने में कठिनाई–तीन बुलडोजर की आवश्यकता एमसीडी अधिकारियों के मुताबिक, अतिक्रमण वाले ढांचे इतने मजबूत थे कि दीवारों को गिराने के लिए

पत्नी की हत्या का दोषी 25 साल बाद पंजाब से गिरफ्तार, नाम-पहचान बदलकर बनवाया था फर्जी आधार कार्ड

नई दिल्ली। पत्नी की हत्या मामले में 25 साल से फरार सजायाफ्ता जोगिंदर सिंह को क्राइम ब्रांच ने पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार कर लिया है। 15 मार्च 1992 में उसने सरोजनी नगर थानाक्षेत्र के पिलंजी गांव में अपने किराए के घर में पत्नी की गला घोंटकर हत्या की दी थी। 1997 में पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिसके बाद 2010 में दिल्ली हाई कोर्ट ने उसकी अपील भी खारिज कर दी थी। सजा मिलने के बाद पैरोल पर बाहर आने के बाद से वह फरार था। इस दौरान सालों तक वह हिमाचल प्रदेश, बंगाल, बिहार और कर्नाटक में गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपता रहा और बाद में पंजाब के लुधियाना में जाकर बस गया था। यूपी के मुजफ्फरनगर का रहने वाला है योगिंदर डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के मुताबिक योगिंदर उर्फ जोगिंदर सिंह मूलरूप से मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। 15 मार्च 1992 की सुबह सवा सात बजे सरोजिनी नगर पुलिस को पिलंजी गांव में एक महिला की हत्या किए जाने की सूचना मिली थी। मकान मालिक ने बताया था कि उनके किराएदार योगिंदर ने अपनी पत्नी की हत्या कर घर से भागने की कोशिश की थी लेकिन पीछा कर उसे पकड़ लिया गया था। पुलिस ने कमरे से महिला का शव बरामद कर लिया था, उनकी बाईं आंख के पास चोट के निशान मिले थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटे जाने की पुष्टि हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर लिया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने योगिंदर को दस हजार जुमार्ने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। तीन जून 2000 को दिल्ली हाई कोर्ट ने उसे चार हफ़्ते के लिए पैरोल दिया था,

निजी स्कूलों की फीस रेगुलेशन पर दिल्ली सरकार के आदेश पर रोक से एचसी का इन्कार, 20 जनवरी तक का दिया समय

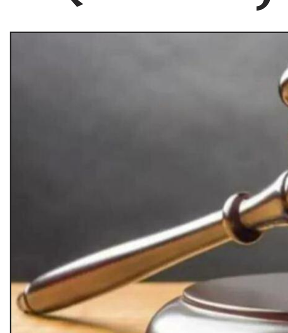

नई दिल्ली। दिल्ली के निजी स्कूलों की फीस को रेगुलेट करने के लिए स्कूल स्तर की समितियां बनाने का निर्देश देने संबंधी दिल्ली सरकार के आदेश पर रोक लगाने से दिल्ली हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया। हालांकि, अदालत ने पहले से तय 10 जनवरी की तारीख की जगह 20 जनवरी तक कमेटियां गठित करने की बात कही है। प्रस्तावित फीस 5 फरवरी तक कर सकेंगे जमा मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने साथ ही यह भी कहा कि स्कूल प्रबंधन द्वारा कमेटी को प्रस्तावित फीस जमा करने की आखिरी 25 जनवरी के पूर्व निर्धारित तारीख के बजाय पांच फरवरी तक बढ़ा दी जाएगी। अदालत ने उक्त आदेश निजी स्कूलों द्वारा दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। संवैधानिक वैधता को चुनौती याचिका में दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस तय करने और रेगुलेशन में पारदर्शिता) अधिनियम-2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। नया कानून यह अनिवार्य करता है कि निजी स्कूलों में सभी फीस बढ़ोतरी को माता-पिता, स्कूल प्रबंधन और सरकारी प्रतिनिधियों वाली एक पारदर्शी, तीन-स्तरीय कमेटी व्यवस्था के माध्यम से मंजूर किया जाना चाहिए। दिल्ली के शिक्षा निदेशालय (डीओई) द्वारा 24 दिसंबर 2025 को जारी एक अधिसूचना को भी चुनौती दी गई थी। कमेटी में कौन-कौन होगा शामिल? अधिसूचना में निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को 10 जनवरी 2026 तक एक स्कूल लेवल फीस रेगुलेशनकमेटी (एसएलएफआरसी) बनाने का निर्देश दिया गया था। कमेटी में एक चेयरपर्सन, प्रिंसिपल, पांच माता-पिता, तीन शिक्षक और डीओई से एक प्रतिनिधि को शामिल करने का निर्देश दिया गया था। स्कूलों की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उन्होंने नए कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। रोहतगी ने कहा कि अधिसूचना पर रोक लगाई जानी चाहिए क्योंकि यह अधिनियम के विपरीत और अवैध है। वहीं, कानून का बचाव करते हुए एडिशनल सालिसिटर जनरल (एएसजी) ने कहा कि यह संवैधानिक है और स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूलने पर रोक लगाने के लिए बनाया गया है। जवाब दाखिल करने को कहा मामले में कुछ देर सुनवाई के बाद अदालत ने स्पष्ट किया कि अधिसूचना पर रोक नहीं लगाई जाएगी, लेकिन इसके निदेशों का पालन करने का समय बढ़ा देगा। एएसजी ने अधिकारियों से निर्देश लेने के बाद इस प्रस्ताव पर सहमति जताई। इस पर कोर्ट ने अधिसूचना का पालन करने का समय बढ़ा दिया। इसने दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय को नोटिस जारी कर मामले पर जवाब दाखिल करने को कहा।

डीसी पार्थ गुप्ता ने पेश की मिसाल, यमुनानगर में गरीब परिवारों को दिलाई पक्की छत

नई दिल्ली: प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ मानवीय संवेदनशीलता और मानवीय सरोकारों का जब उत्कृष्ट समन्वय होता है, तब शासन आम जन के जीवन में वास्तविक बदलाव लाता है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक मिसाल यमुनानगर में देखने को मिली है, जहाँ तत्कालीन उपायुक्त आईएएस अधिकारी श्री पार्थ गुप्ता के प्रयासों से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्की और सुरक्षित छत का सहारा मिला है। उनके इन प्रयासों को राज्य स्तर पर पहचान पहचान मिली है और सुशासन दिवस के अवसर पर सुशासन पुरस्कार योजना 2025 से नवाजा गया है। बारिश, धूप और ठंड में कच्ची या जर्जर छतों के नीचे जीवन बिताने को मजबूर अनेक गरीब परिवारों की पीड़ा को समझते हुए श्री पार्थ गुप्ता ने इस दिशा में पहल की। उनके मार्गदर्शन और सक्रिय प्रयासों से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के माध्यम से जिले में 100 गरीब परिवारों के मकानों की छतों के निर्माण एवं मरम्मत का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। भविष्य में इस योजना का और विस्तार किया जाएगा, ताकि जिले में कोई भी परिवार बिना छत के न रहे। श्री पार्थ गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासनिक सोच के परिणामस्वरूप जिले की औद्योगिक इकाइयों को इस मुहिम से जोड़ा गया।

पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल पर शुरू की गई इस योजना ने गरीब परिवारों को बड़ी राहत दी। पूर्व उपायुक्त श्री पार्थ गुप्ता के मार्गदर्शन में, अंडर ट्रेनिंग आईएएस सुमन यादव के सहयोग से अब तक जिला प्रशासन और सीएसआर के संयुक्त प्रयासों से लगभग 40 लाख रुपये की लागत से 100 पात्र परिवारों के मकानों की छतों का निर्माण और मरम्मत का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। इन प्रयासों को मिली राज्य स्तर पर पहचान, सुशासन पुरस्कार योजना 2025 से नवाजा

इस अभिनव पहल की सफलता को देखते हुए हरियाणा सरकार ने इसे सुशासन पुरस्कार योजना 2025 के अंतर्गत राज्य स्तरीय सम्मान से नवाजा। 25 दिसंबर को आयोजित समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यमुनानगर के अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, एसडीओ पंचायती राज राजेश कुमार शर्मा और जेई पंचायती राज नरेश कुमार रोहिला को 51-51 हजार रुपये नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। यह पुरस्कार राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत हर घर छत योजना के लिए प्रदान किया गया।
आईएएस श्री पार्थ गुप्ता ने योजना की शुरुआत के पीछे का कारण साझा करते हुए बताया कि उपायुक्त रहते हुए उनके पास अनेक गरीब लोग मकान निर्माण या क्षतिग्रस्त छतों की मरम्मत के लिए गुहार लगाते थे। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए उन्होंने जिले की प्रतिष्ठित कंपनियों से सहयोग की अपील की, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया। इस दिशा में इस्जेक और जमना ऑटो जैसी कंपनियों का योगदान उल्लेखनीय रहा है। हालांकि योजना के क्रियान्वयन में कई चुनौतियां भी सामने आईं, लेकिन अधिकारियों के आपसी सहयोग, मजबूत टीम भावना और स्पष्ट नेतृत्व के चलते सभी बाधाओं को पार कर लिया गया।

कुरुक्षेत्र के शाहाबाद में एनएच पर बेकाबू हुई रोडवेज बस, पेड़-पौधों को रौंद हाईवे की दूसरी लाइन में घुसी बस

कुरुक्षेत्र : शाहाबाद में दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे-44 (जीटी रोड) पर बीती रात हरियाणा रोडवेज की बस बेकाबू हो गई। बस सेंट्रल वर्ज पर सामने खड़ी हर चीज को रौंदते हुए हाईवे के दूसरी तरफ रॉन्ग साइड में घुस गई। रॉन्ग साइड में भी बस करीब 200 मीटर आगे जाकर रुकी। इससे हाईवे पर करीब आधे घंटे तक जाम लगा रहा। सामने से बस को आते देख दिल्ली की तरफ जा रही ट्रैफिक में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही इससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। अगर बस रॉन्ग साइड में किसी व्हीकल से टकराती, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि

अंबाला से दिल्ली की ओर जा रही रोडवेज की दूसरी बस उससे भिड़ते-भिड़ते बची। हाईवे पर रात करीब 10 बजे रतनगढ़ गांव के पास झज्जर डिपो की हरियाणा रोडवेज बस बेकाबू हो गई। बस झज्जर से चंडीगढ़ जा रही थी। इस बस में 35-40 सवारियां बैठी थी। हालांकि ड्राइवर ने किसी तरह बस को कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन बस रुकने से पहले सेंट्रल वर्ज से होते हुए काफी दूर तक चली गई। इस दौरान सेंट्रल वर्ज पर बस के रास्ते में आए पेड़ टूटकर और टुकड़े-टुकड़े होकर हाईवे की दोनों लेन पर फैल गए, जिससे ट्रैफिक रुक गया और जाम लग गया।
मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैफिक कंट्रोल किया और जाम खुलवाया। ड्राइवर-कंडक्टर ने दूसरी बस का इंतजाम करके सवारियों को उनके गंतव्य की ओर रवाना किया। अभी तक हादसे के पीछे की वजह साफ नहीं हो पाई। हादसे में बस काफी टूट-फूट गई।
बस का सामने का शीशा टूट गया और हेड लाइट भी खराब हो गई। बाद में हाइड्रा की मदद से बस को हाईवे से हटाया गया। बाद में बस को बस अड्डे तक पहुंचाया गया।

90 हजार पुलिसकर्मियों के जीवन को आसान करने के लिए डीजीपी अजय सिंघल का मिशन 2026

चंडीगढ़ : कानून-व्यवस्था की ड्यूटी में निजी जीवन को पीछे छोड़ देने वाले पुलिसकर्मियों की रोजमर्रा की परेशानियों को केंद्र में रखते हुए नये पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने विभाग का विस्तृत रोडमैप मिशन 2026 पेश किया है। इस रोडमैप का फोकस केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि पुलिसकर्मी और उसके परिवार के जीवन को सहज बनाना है।हरियाणा पुलिस के करीब 90 हजार जवानों के लिए राहत और सम्मान से जुड़ा एक बड़ा बदलाव आने वाला है। प्रदेश की पुलिस लाइनों में खाली पड़ी जमीनों पर बैंक्वेट हॉल बनाए जाएंगे, जहां पुलिसकर्मी अपने बच्चों की शादियां और सामाजिक कार्यक्रम कर सकेंगे। जिन जिलों में पहले से सामुदायिक केंद्र हैं, उन्हें आवश्यक बदलाव कर

बैंक्वेट हॉल के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे पुलिसकर्मियों को निजी मैरिज पैलेस पर होने वाले भारी खर्च से राहत मिलेगी।डीजीपी ने निर्देश दिए हैं कि सभी पुलिस थानों और चौकियों में महिला पुलिस कर्मियों के लिए व्यवस्थित शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। इसे महिला कर्मियों की गरिमा और सुरक्षित कार्यस्थल से जोड़कर देखा जा रहा है। डीजीपी ने कहा कि साइबर अपराध और सोशल मीडिया से जुड़ी चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। इससे निपटने के लिए तकनीक के साथ-साथ कम्यूनिटी पुलिसिंग को मजबूत किया जाएगा, ताकि पुलिस और जनता के बीच भरोसा बढ़े। डीजीपी ने बताया कि पुलिसकर्मी को बेटी की शादी के अवसर पर पांच लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सहायता से राज्य सरकार के बजट पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। पुलिस विभाग का मानना है कि यह कदम पुलिस परिवारों के सामाजिक दबाव को कम करेगा। पुलिस कर्मचारियों के जो बच्चे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, उन्हें दो लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य पुलिस परिवारों में शिक्षा को प्रोत्साहन देना और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करना है। डीजीपी अजय सिंघल ने माना कि कई जिलों और विंगों में साप्ताहिक अवकाश न मिलने से पुलिसकर्मी तनाव में रहते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए सभी जिलों के एसपी को नीति बनाने के निर्देश दिए गए हैं। बहुत जल्द पूरे विभाग में साप्ताहिक अवकाश लागू किया जाएगा। पुलिस आवासों के आवंटन और मरम्मत से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए जल्द बैठक बुलाई जाएगी। नई हाउसिंग स्कीम लागू करने की तैयारी है। इसके लिए सभी जिलों से मकानों की वर्तमान स्थिति और मांग को लेकर स्टेटस रिपोर्ट मंगाई गई है, ताकि जमीनी हालात के अनुसार निर्णय लिया जा सके।

गैंगस्टर अमन भैंसवाल 4 दिन के पुलिस रिमांड पर, युएसए से किया था डिपोर्ट, एक दर्जन से ज्यादा मामले हैं दर्ज

गोहाना : हरियाणा में लारेंस बिश्नोई, हिमांशु भाऊ, रोहित गोदारा, राजेश सरकारी सहित कई गैंगस्टर सक्रिय हैं। हरियाणा पुलिस विदेशों में बैठे इन बदमाशों पर नकेल कसने और इन्हें डिपोर्ट करने में कदम उठा रही है। इसी कड़ी में कल सोनीपत एसटीएफ ने गैंगस्टर राजेश सरकारी के शॉप शूटर अमन भैंसवाल को युएसए से डिपोर्ट करने में सफलता हासिल की है। एसटीएफ हरियाणा ने युएसए से 3 गैंगस्टर को वापिस भारत लाने में कामयाबी हासिल की है। शॉप शूटर अमन भैंसवाल पर दस के करीब वारदातों को अंजाम देने का आरोप है। वहीं 2024 में अमन भैंसवाल ने रोहतक के सांपला में एक हलवाई

की दुकान पर फायरिंग कर रंगदारी मांगी थी। वहीं राजेश सरकारी और पलोटरा गैंगस्टर के लिए अमन भैंसवाल काम करता है। 2024 में पिता का नाम और गांव का नाम बदल कर युएसए भाग गया था। गैंगस्टर पर फर्जी पासपोर्ट बनाकर विदेश भागने, सापला में एक हलवाई से फिरौती मांगने व बरोदा के घढ़वाल में 2017 में हुए मर्डर के मामले में पिओ मामले समेत रोहतक व सोनीपत में एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं, जिनमें लूट, हत्या व फिरौती के मामले शामिल हैं। गोहाना स्पेशल स्टॉफ ने बरोदा में हुए एक व्यक्ति के मर्डर व फर्जी पासपोर्ट बनवा विदेश भागने के मामले में अमन भैंसवाल को गोहाना कोर्ट में पेश किया है। पुलिस ने अमन भैंसवाल का कोर्ट से पुलिस चार दिन का रिमांड भी लिया है ताकि इसके द्वारा अन्य अपराध और साथियों के बारे में जानकारी हासिल की जा सके। वहीं आज रळक्र ने अमन भैंसवाल को कोर्ट में पेश करने से पहले उसे बुलेट फ्रूफ जैकेट पहनाई ताकि कोई दूसरे गैंग के लोग उस पर हमला न कर दे।

फरीदाबाद में नेपाली मूल के युवक की हत्या, दोस्त ने ही दिया वारदात को अंजाम, आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद : फरीदाबाद जिले के गांव अजरौंदा में शराब पीने के दौरान हुई कहासुनी में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मूल रूप से नेपाल निवासी भीम कंवर के रूप में हुई है। इससे मामले पुलिस ने

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान भीम थापा के रूप में हुई है। दोनो नेपाल के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार आरोपी भीम थापा अजरौंदा गांव में अपनी पत्नी के साथ रहता था और एक चिकन की दुकान पर मीट काटने का काम करता था। वहीं, मृतक भीम कंवर भी पास ही रहता था। भीम कंवर पेशे से ड्राइवर था। दोनों के बीच अच्छी दोस्ती थी और वे अक्सर एक-दूसरे के कमरे पर बैठकर खाना-पीना करते थे। पुलिस के अनुसार, मंगलवार देर रात भीम कंवर अपने एक अन्य दोस्त राजू के साथ भीम थापा के कमरे पर पहुंचा। वहां तीनों ने साथ बैठकर शराब पी। शराब खत्म होने के बाद दोबारा शराब लाने को लेकर थापा और कंवर के बीच कहासुनी हो गई। विवाद के दौरान भीम कंवर ने गुस्से में आकर थापा को थप्पड़ मार दिए। तैश में आकर चाकू से किया वार इसी बात से भीम थापा होश खो बैठा। तैश में आकर आरोपी कमरे के अंदर गया और सब्जी काटने वाला चाकू उठा लाया। बाहर आते ही उसने भीम कंवर के सीने में चाकू घोंप दिया। घायल हालत में कंवर को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी रणवीर सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया है। वहीं, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

एनएच-19 पर तेज रफ्तार ट्रक ने कार को मारी टक्कर, हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

पलवल : पलवल के नेशनल हाईवे-19 पर गोसेवा धाम अस्पताल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां पर ट्रक की टक्कर से कार चालक की मौत हो गई। इस हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। होडल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू

कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 28 वर्षीय कमल के रुप में हुई है। मृतक के चाचा राजू ने दर्ज करवाई शिकायत में बताया कि कमल अपनी कार में घर से फरीदाबाद जा रहा था। गोसेवा धाम अस्पताल के पास पहुंचा था कि तेज रफ्तार ट्रक ने कार को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर से कार बेकाबू होकर पलट गई। घायल को तुरंत जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही फरार चालक को पकड़ लिया जाएगा।

हरियाणा के इस जिले में मिला संदिग्ध गुब्बारा, लिखा है पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन

सिरसा : सिरसा के रानिया विधानसभा के गांव सादेवाला के खेतों में पाकिस्तान से आए एक गुबारनुमा जहाज मिलने से गांव वालों इसकी सूचना पुलिस को दी । सूचना मिलने पर पुलिस टीम एएसपी फैसल

खान के नेतृत्व में टीम पहुँची। टीम ने गुब्बारानुमा जहाज अपने कब्जे में लिया और गाव वालों से पैनिक नहीं होने की अपील करते हुए मामले की जाँच की बात कही है। गौरतलब है कि पाकिस्तान का बॉर्डर नजदीक और तेज हवा के चलते पहले भी गुबारे मिले रहे है। मौके पर पहुंचे एएसपी फैसल खान ने बताया कि गांव वालों ने जीवन नगर चौकी में सूचना दी थी कि गांव के खेतों में एक गुब्बारा मिला है, जिस पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा हुआ है। फैसल खान ने बताया कि इसको लेकर नेशनल सिक्योरिटीज एजेंसी को हमने इस बारे में सूचना दे दी है और लोगों से अपील है कि इसको लेकर किसी तरह का पैनिक करने की कोई जरूरत नहीं है। वहीं उन्होंने कहा कि अगर फिर से कहीं कोई संदिग्ध वस्तु मिलती है तो इसकी सूचना पुलिस को दें। फैजल खान ने कहा कि अभी इसकी जांच की जाएगी कि यह वस्तु कैसे यहां पर आई है। फैसल खान ने आशंका जताई है कि बॉर्डर नजदीक होने व हवा इस तरफ होने के चलते इस तरह के गुब्बारे यहां तक पहुंच जाते हैं।

खबर एक्सप्रेस

हरियाणा में ग्रुप-डी कर्मचारियों को लेकर आया बड़ा आदेश, ये नोटिस जारी

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्य सचिव ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे ग्रुप डी कर्मचारियों की पदोन्नति के माध्यम से भरे जाने वाले ग्रुप-सी पदों से संबंधित जानकारी 3 दिनों के भीतर उपलब्ध करवाएं।

जारी पत्र के अनुसार सभी विभागों को निर्धारित एक्सेल प्रारूप में ई-मेल के माध्यम से आवश्यक विवरण भेजने के निर्देश दिए गए हैं। मांगी गई जानकारी में ग्रुप-सी में पदोन्नत किए जाने वाले पदों का नाम, विभागीय सेवा नियमों के अनुसार पात्रता मानदंड, ग्रुप-सी पदों की स्वीकृत संख्या, पदोन्नति द्वारा भरे गए पदों की संख्या, रिक्त पदों की स्थिति, पात्र ग्रुप-डी कर्मचारियों की संख्या तथा कॉमन कैडर ग्रुप-डी से पदोन्नति हेतु उपलब्ध पदों का विवरण, संबंधित वेतनमान और अन्य टिप्पणियां शामिल हैं।

बहादुरगढ़ में अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर, 70 एकड़ में बनाई जा रही थी कॉलोनियां की ध्वस्त

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ा अभियान चलाया। डीटीपी विभाग की टीम ने एसडीएम अभिनव सिवाच की मौजूदगी में बालौर गांव में करीब 70 एकड़ में विकसित

की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीनों की मदद से निमार्णाधीन मकानों की दीवारें गिराई गईं, प्लॉटों की नींव उखाड़ी गई। प्रशासन ने करीब 400 मीटर लंबी बाउंड्री वॉल, लगभग 1500 मीटर का सड़क नेटवर्क और 10 निमार्णाधीन मकानों को पूरी तरह तोड़ दिया। एसडीएम अभिनव सिवाच ने मौके पर मौजूद लोगों से अपील की कि वे अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें, क्योंकि ऐसी कॉलोनियों पर किसी भी समय कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने साफ कहा कि अवैध कॉलोनाइजरों को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा। वहीं प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी अवैध कॉलोनियों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस भर्ती के लिए एचएसएससी के चेयरमैन करेंगे संवाद, कल इस माध्यम से जुड़ सकेंगे अभ्यर्थी

चंडीगढ़ : हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के चेयरमैन हिम्मत सिंह 9 जनवरी को सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती के अभ्यर्थियों से संवाद करेंगे। यह जानकारी उन्होनें सोशल मीडिया पर दी। चेयरमैन हिम्मत सिंह ने लिखा कि कुछ दिन पहले हरियाणा

पुलिस कांस्टेबल भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया था, जिसका आवेदन 11 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। जिस पर बहुत से अभ्यर्थियों ने आयोग को अपने सुझाव दिए है, उसी विषय को लेकर मैं कल 09 जनवरी 2026 (शुक्रवार) दोपहर 01:15 बजे, यूट्यूब और फेसबुक के माध्यम से आपसे लाइव संवाद करूंगा। इस संवाद में मात्र हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती पर प्राप्त सुझावों अथवा समस्याओं पर ही चर्चा होगी। आप सभी उक्त समय पर मुझसे लाइव जुड़ सकते हैं।बता दें कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2026 के लिए विज्ञापन संख्या 01/2026 के तहत अधिसूचना जारी की है। इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 5500 रिक्त पदों को भरा जाएगा। अधिसूचना के अनुसार, इनमें 4500 पद पुरुष कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) के लिए, 600 पद महिला कांस्टेबल के लिए तथा 400 पद पुरुष कांस्टेबल (सरकारी रेलवे) के लिए निर्धारित किए गए हैं। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 11 जनवरी 2026 से आरंभ की जाएगी।चयन प्रक्रिया 3 चरणों में पूरी की जाएगी, जिसमें लिखित परीक्षा, शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) और शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीएसटी) शामिल होंगी। आयोग ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे आवेदन से पहले आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें और पात्रता मानदंडों की पुष्टि करें। एचएसएससी का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया को लेकर किसी भी प्रकार की शंका या सुझाव के समाधान के लिए आयोग लगातार अभ्यर्थियों से संवाद बनाए रखेगा।

हरियाणा में 50 हजार युवाओं की एआई स्किल फोर्स बनेगी, खर्च होंगे 474 करोड़ रुपए

हरियाणा : हरियाणा से खबर आ रही है कि प्रदेश में 50 हजार युवाओं की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्किल फोर्स बनेगी। केंद्र सरकार की ओर से मंजूरी मिल गई है। बताया जा रहा है कि इस एआई डेवलपमेंट

प्रोजेक्ट पर 474 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इनमें 142 करोड़ रुपए केंद्र सरकार और 332 करोड़ रुपए विश्व बैंक से हरियाणा को मिलेंगे। पंचकूला और गुरुग्राम में एआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे। दोनों सेंटर से एआई पर बड़े स्तर पर काम होगा। गुरुग्राम में उद्योग आधारित कार्य किया जाएगा, जबकि पंचकूला में सरकारी ऑफिसों से संबंधित काम होगा। सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए भी एआई का इस्तेमाल किया जाएगा। एआई को हरियाणा सरकार के विभागों में भी लागू किया जाएगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हरियाणा के 50 हजार युवाओं को एआई से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें ज्यादातर ग्रामीण युवा शामिल होंगे। गुरुग्राम के उद्योगों को एक छत के नीचे लाया जाएगा। ये युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। वहीं महिलाओं को भी एआई से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे भी भविष्य में इसे रोजगार के रूप में अपना सकें।

रेवाड़ी में चोरों का आतंक, रात के सन्नाटे में 18 दुकानों के ताले तोड़े, घटना सीसीटीवी में कैद

रेवाड़ी : हरियाणा में क्राइम का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। बेखौफ चोर रात के सन्नाटे का फायदा उठाकर बड़ी-बड़ी वारदातें कर रहे हैं। ताजा घटना रेवाड़ी जिले से सामने आई है। यहां खोरी बस स्टैंड पर

बदमाशों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने करीब 18 दुकानों को निशाना बनाया और लाखों रुपए का सामान व नकदी लेकर फरार हो गए। चोरी की यह सारी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। इस घटना का पता वीरवार सुबह उस समय लगा जब दुकानदारों ने दुकानों पर आना शुरू किया। वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान के ताले टूटे हुए थे। चोरों ने एक के बाद एक 18 दुकानों को अपना निशाना बनाया। इनमें हार्डवेयर की दुकान, लाइब्रेरी, साइकिल की दुकान, रेडिमेड कपड़ों की दुकान, मेडिकल स्टोर और कई अन्य दुकानें शामिल हैं। एक-दूसरे को सूचना देने के बाद सभी दुकानदार बस स्टैंड पर एकत्रित हो गए। वहां बस स्टैंड पर कई दुकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए हुए हैं। फुटेज में तीन नकाबपोश चोर हाथ में कटर व चोरी का अन्य सामान लेकर चोरी करते नजर आ रहे हैं। दुकानदारों ने सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंप दी है। पुलिस फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर रही है।

हांसी जिले के पहले उपायुक्त डॉ. राहुल नरवाल ने संभाला कार्यभार, जिला परिसर में हुआ भव्य स्वागत

हांसी: नवगठित हांसी जिले के पहले उपायुक्त के रूप में डॉ. राहुल नरवाल ने वीरवार को विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया। इससे पूर्व वे फतेहाबाद और चरखी दादरी जिलों में उपायुक्त के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर हांसी जिला परिसर में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों ने परेड के माध्यम से उपायुक्त डॉ. राहुल नरवाल की अगुवाई की। इस दौरान जिला परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों और आकर्षक साज-सज्जा से सजाया गया, जिससे माहौल पूरी तरह उत्सवमय बना रहा। अपने संबोधन में उपायुक्त डॉ. राहुल नरवाल ने कहा कि हांसी जिला उनके लिए एक नई जिम्मेदारी के साथ-साथ बड़ा अवसर भी है। उन्होंने कहा कि जिले के समग्र विकास को लेकर कई प्राथमिकताएं तय की गई हैं, जिन्हें सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय और योजनाबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। डॉ. नरवाल ने स्पष्ट किया कि जनहित, पारदर्शिता, समयबद्ध कार्यप्रणाली और विकास कार्यों में गति उनकी प्रशासनिक कार्यशैली का मूल आधार रहेगा। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे सरकार की नीतियों को ईमानदारी और प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करें तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर हांसी के एसडीएम राजेश खोथ, विधायक विनोद भयाना व

तहसीलदार अनिल कुमार बिढ़ान भी मौजूद रहे। विधायक विनोद भयाना ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 16 दिसंबर को हांसी को जिला घोषित करने के बाद मात्र एक सप्ताह में नोटिफिकेशन जारी कर दिया, और अब विधिवत रूप से उपायुक्त ने पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे हांसी जिले की जनता को अब अपने प्रशासनिक कार्यों के लिए हिसार नहीं जाना पड़ेगा।कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से बातचीत में उपायुक्त डॉ. राहुल नरवाल ने कहा कि हांसी एक नवगठित जिला है, जहां कई प्रशासनिक चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी चुनौती इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना है। उन्होंने कहा कि जल्द ही कार्यालयों और आवश्यक प्रशासनिक ढांचे को लेकर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर इन चुनौतियों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हांसी के आसपास ग्रामीण क्षेत्र अधिक होने के कारण सरकार की योजनाओं का लाभ गांवों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इसके साथ ही उन्होंने हांसी की पहचान से जुड़ी प्रसिद्ध वस्तुओं, जैसे हांसी का मशहूर पेड़ा, को सरकार की योजना "एक पदार्थ एक जिला" के तहत जीआई टैग करवाने के प्रयास किए जाने की बात भी कही। जिले के पहले उपायुक्त के रूप में डॉ. राहुल नरवाल के कार्यभार संभालने से हांसी के प्रशासनिक ढांचे को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिसंबर के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान, लिस्ट में शैफाली वर्मा अकेली भारतीय

दुबई (एजेंसी)। स्टार बल्लेबाज लॉरा वोल्वाडर्ट, शैफाली वर्मा और दक्षिण अफ्रीका की प्रभावशाली ऑलराउंडर सुने लुस को शानदार प्रदर्शन के बाद दिसंबर 2025 के लिए ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। ICC महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने अपनी प्रतिभा दिखाना जारी रखा और सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर एक शानदार साल का समापन किया। आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करते हुए, प्रोटियाज कप्तान शानदार फॉर्म में थीं, क्योंकि उनकी टीम ने ODI (3-0) और टी20आई (2-0) दोनों सीरीज़ में क्लीन स्वीप किया।

वोल्वार्ड्ट पहले टी20आई में अपने सबसे खतरनाक फॉर्म में थीं। उन्होंने 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनका दबदबा ODI सीरीज में भी जारी रहा, जहां उन्होंने ओपनिंग की और पूरी सीरीज में अहम भूमिका निभाई। पहले मैच में 31 रन बनाने के बाद उन्होंने लगातार 2 शतक लगाए, दूसरे ODI में 111 गेंदों पर 124 रन बनाए और फिर आखिरी मैच में नाबाद 100 रन बनाकर क्लीन स्वीप पक्का किया। तीनों ODI में वोल्वार्ड्ट ने 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। उन्होंने टी20आई सीरीज में 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं।

भारत की शैफाली वर्मा भी श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में उतनी ही विस्फोटक थीं, उन्होंने लगातार आक्रामक शुरुआत दी जिससे भारत ने घरेलू मैदान पर 5-0 से शानदार सीरीज जीत हासिल की। सीरीज के पहले मैच में शांत प्रदर्शन के बाद वर्मा ने दूसरे मैच से लय पकड़ी और नाबाद 69 रन बनाकर भारत को आसानी से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने तीसरे मैच में एक और नाबाद 79 रनों की पारी खेली जिससे भारत ने 14 ओवर के अंदर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। शैफाली का सबसे शानदार प्रदर्शन चौथे टी20आई में आया, जहां उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग पार्टनरशिप की, जो महिला टी20आई में किसी भी विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी और 46 गेंदों में से 79 रन बनाए जिससे भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा टी20आई टोटल 221 बनाया। वर्मा ने 5 मैचों में 181.20 के शानदार स्ट्राइक रेट और 80.33 की औसत से 241 रन बनाकर सीरीज खत्म की, और अपने मैच जिताने वाले योगदान के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड जीता।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर सुने लुस ने भी एक शानदार महीना बिताया। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दोनों फॉर्मेट में क्लीन स्वीप किया। लुस ने पहले टी20आई में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने ओपनिंग करते हुए 81 रन बनाए और फिर चार विकेट लिए। इसके बाद उन्होंने दूसरे मैच में महत्वपूर्ण 37 रन बनाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 201 का बड़ा टोटल बनाया। ODI सीरीज में उनका प्रभाव और बढ़ा, जहां उन्होंने पहले मैच में नाबाद 66 रन बनाकर टॉप स्कोर किया और एक विकेट भी लिया। दूसरे ODI में लुस ने अपना दूसरा ODI शतक बनाया जिसमें 113 गेंदों में 114 रन शामिल थे और अपने खाते में एक और विकेट जोड़ा।

दो ODI मैचों में लुस ने 102.50 के शानदार औसत और 98.55 के स्ट्राइक रेट से 205 रन बनाए, साथ ही 4.97 की इकॉनमी रेट से चार विकेट भी लिए। टी20आई में उन्होंने 157.33 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए और 6.42 की इकॉनमी से चार विकेट लिए, जिससे दिसंबर महीने में एक प्रभावशाली ऑलराउंडर के रूप में उनका महत्व साबित हुआ।

सिडनी टेस्ट के साथ ही ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मुम्बई (एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। सिडनी में एशेज सीरीज के अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया है। सिडनी क्रिकेट मैदान में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट में ख्वाजा असफल रहे और दोनो पारियों में 17 और 6 रन ही बना पाये हालांकि उसने लिए खुशी की बात ये रही कि टीम की जीत के साथ हीउनका संन्यास हुआ। इस मैच से पहले ही इस क्रिकेटर ने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

विदायी टेस्ट के पांचवें दिन जब ख्वाजा मैदान पर उतरे, तो वह अपनी टीम के आगे-आगे चलते नजर आए और उनके साथी खिलाड़ी पीछे थे। वहीं जब वह अंतिम बार बल्लेबाजी करने उतरे, तो इंग्लैंड की टीम ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

मैच में जीत के बाद ख्वाजा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी जीत है। इस क्रिकेट सफर में सफर में बहुत कुछ लगा है। क्रिकेट एक शानदार खेल है। मैंने आज सुबह रैफरी से कहा था कि बस खेल का आनंद लेना है। मेरा सपना जीत के साथ समापन का था जो पूरा हुआ है। सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं अंतिम मैच जीत सका और अपने साथियों के उन्होंने स्वीकार किया कि भावनात्मक रूप से यह मैच उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था।

ख्वाजा ने कहा, यह बहुत मुश्किल था। मैं खुद को शांत दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इतने अहम टेस्ट मैच में अपनी भावनाओं पर काबू रखना आसान नहीं था। मैंने हमेशा अपने करियर में भावनाओं को नियंत्रित करने में सफल रहा पर इस मैच में ध्यान लगाना बेहद कठिन हो गया था।इसका एक कारण ये भी रहा कि यहीं अपना बचपन बिताया था और यहीं से फर्स्ट क्लास और टेस्ट डेब्यू किया था।

ख्वाजा ने कुल 88 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6229 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

-विश्ककप में भी खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, 'हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

सिडनी (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है।

मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला।

इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड 34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी।।

इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

रुट इसी प्रकार खेले तो अगले कुछ साल में सचिन का रिकार्ड तोड़ देंगे

सिडनी (ईएमएस)।इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने एशेज टेस्ट सीरीज में जिस प्रकार से दो शतक लगाये हैा उससे वह रनों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के और करीब पहुंच गये हैं।टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन के नाम है।सचिन ने टेस्ट में 200 मैचों में 15921 रन बनाए थे।वहीं जो रूट ने अब तक 163 टेस्ट मैचों में 13928 रन बनाये हैं।अब रूट और सचिन के बीच 1,984रनों का अंतर रह गया है।अगर रूट का यही फॉर्म कुछ और समय तक जारी रहता है तो वह सचिन के सबसे ज्यादा रन बनाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन के नाम है।उन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 51 टेस्ट शतक लगाए थे।वहीं रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।उन्होंने अभी तक कुल 41 टेस्ट शतक लगाए हैं।अब अगर रूट को तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड को तोड़ना है तो उन्हें आने वाले समय में 11 शतक और लगाने होंगे।रुट की उम्र अभी 35 साल है और ऐसे में दो से दिन साल तक खेलने का समय उनके पास और है जिसमें वह इसी लय ये खेलते रहे तो सचिन के रिकार्ड के पास पहुंच ही नहीं उसे तोड़ भी सकते हैं।

स्टार्क 30 विकेट लेने वाले विशिष्ट क्लब में शामिल हुए

सिडनी।ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 31 विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है।अब स्टार्क एशेज में 30 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं।स्टार्क ने पांच मैचों की सीरीज की 10 पारियों में 19.93 के बेहतरीन औसत के साथ ही 31 विकेट लिए, इस दौरान उन्होंने दो बार पांच विकेट भी लिए।स्टार्क, ने इस सीरीज में टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई।इससे पहले साल दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने 2005 सीरीज में 40 विकेट, मिशेल जॉनसन ने 2013-14 में 37 विकेट, ग्लेन मैकग्रा ने साल 2001 में 32 विकेट, और वॉर्न ने 2001 में 31 विकेट लिए थे।अब इस सूची में स्टार्क भी शामिल हो गये हैं।एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4-।से जीत दर्ज की।

मलेशिया ओपन में भारत का डबल धमाल, पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को चल रहे मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सुपर 1000 प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, पूर्व विश्व चैंपियन ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपियन ने अपने पहले दौर के मैच में विश्व नंबर 33 की खिलाड़ी सुंग शुओ-युन (चीनी ताइपे) को 21-13, 22-20 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सिंधु ने पहले गेम में 21-8 से दबदबा बनाया और दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल करके अपनी लय बरकरार रखी। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में, तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 और 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ अपना शीर्ष रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।

अब उनका मुकाबला चीन के ताइपे के चेन झी रे/लिन यू चिएह और छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियन/फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। चिराग और सात्विकसाईराज ने चीन के ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन को 21-13, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह मैच मात्र 35 मिनट तक चला।

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

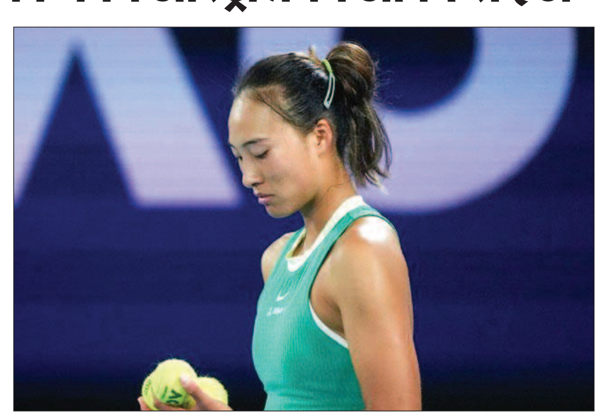

वुहान।चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं।झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है।हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।'' 'झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया।झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला।मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पार्क में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी।' झेंग 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं, जहां वह आर्यना सबालेंका से हार गईं।विंबलडन में पहले दौर से बाहर होने के बाद पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी।23 वर्षीय खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की कोशिश करने से पहले यूएस ओपन और कई अन्य टूर्नामेंट छोड़ दिए, लेकिन चोट के दोबारा होने के कारण तीसरे दौर के मैच के तीसरे सेट में उन्हें रिटायर होना पड़ा।

डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले मिताली राज का बड़ा बयान, लौरा वोल्वाड्ट को बताया दिल्ली कैपिटल्स का 'गेम चेंजर'

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के नए सीज़न की शुरुआत से पहले जैसे-जैसे समय बीत रहा है, पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने तीन बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम और नीलामी में चुने गए उनके महत्वपूर्ण खिलाड़ियों, जिनमें लौरा वोल्वाड्ट भी शामिल हैं, का विश्लेषण किया है। राज ने नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी के पहले खिताब की संभावनाओं पर भी चर्चा की। राज ने लौरा वोल्वाड्ट, उनके नेतृत्व गुणों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बारे में बात की।

मिताली राज ने जियोस्टार पर कहा कि लौरा वोल्वाड्ट वनडे फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में हैं। पिछले कुछ सीज़न में गुजरात जायंट्स के लिए एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में उनका योगदान बहुत अधिक रहा है। वह अपनी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके नेतृत्व गुणों और बल्लेबाजी को देखते हुए, टीम उन्हें प्लेइंग इलेवन में जरूर शामिल करना चाहेगी। 2026 सीज़न से पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने जेमिमा को अपना नया कप्तान घोषित किया है, जो ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की जगह लेंगी।

डब्ल्यूपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी संभालने के बारे में बात करते हुए, राज ने कहा कि उन्हें टीम का नेतृत्व करते देखना बहुत दिलचस्प होगा, और भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, वह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा। उन्होंने आगे कहा, 'जेमिमा रोड्रिग्स को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते देखना बहुत दिलचस्प होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी की है, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना और विदेशी खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में खेलना थोड़ा अलग होता है। हालांकि, भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, उससे यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा।' दिल्ली कैपिटल्स अब तक सभी डब्ल्यूपीएल सीजन के फाइनल में पहुंची है, लेकिन ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही है। डब्ल्यूपीएल की शुरुआत 9 जनवरी से मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होने वाले मैच से होगी। डीसी रविवार को एमआई के खिलाफ डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन का पहला मैच खेलेगी।

खराब दौर से गुजर रही चेल्सी ने लियम रोसेनियर को बनाया कोच

लंदन।एम समय प्रीमियर लीग फुटबॉल की शीर्ष टीम रही चेल्सी आजकल कठिन दौर से गुजर रही है।टीम को बड़े मुकाबलों में जीत नहीं मिल रही।एस समय टीम किसी भी हाल में जीतने का प्रयास करती थी पर पिछले कुछ समय में इसमें अंतर आया है।इसी के तहत ही स्ट्रासबर्ग के मुख्य कोच रहे लियम रोसेनियर को क्लब ने कोच बनाया है। 41 साल के रोसेनियर ने 2024 में पैट्रिक विएरा की जगह स्ट्रासबर्ग की कमान संभाली थी और अब वह एन्ज़ो मारेस्का की जगह चेल्सी के मुख्य कोच बने हैं।चेल्सी के लिए यह एक बड़ा प्रयोग है।क्लब उम्मीद कर रहा है कि रोसेनियर न सिर्फ युवाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाएंगे, बल्कि ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और स्थिरता भी लाएंगे।रोसेनियर की कोचिंग जगत में अलग छवि है।बतौर खिलाड़ी उन्होंने प्रीमियर लीग और चैंपियनशिप में डिफेंडर के रूप में लंबा करियर बिताया।खेल से संन्यास के बाद वह कोचिंग में आए और ब्राइटन अंडर-23, डर्बी काउंटी और फिर वेन रूनी के सहायक के तौर पर सफल रहे हैं।वेन रूनी ने भी रोसेनियर की जमकर प्रशंसा की है। उनके मुताबिक, रोसेनियर का काम करने का तरीका,उन्हें खास बनाती है।यह भी माना जाता है कि डर्बी में कठिन हालात के बावजूद टीम को संभालने में रोसेनियर की भूमिका अहम रही।कोच के तौर पर रोसेनियर की सबसे बड़ी पहचान युवा खिलाड़ियों को निखारना रही है।हल सिटी में उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद टीम को सातवें स्थान तक पहुंचाया।वहां लियम डेलाप, टायलर मॉर्टन और फैबियो कार्वाल्हो जैसे युवा खिलाड़ियों को उन्होंने भरपूर मौके दिए।

एक्टर विनीत कुमार सिंह ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

विनीत कुमार सिंह ने नए साल की शुरुआत नई ऊर्जा और नए प्लान के साथ की है। 2025 उनके लिए शानदार रहा, जिसमें एक के बाद एक हिट फिल्में आईं। इनमें उनकी बड़ी सफलता छावा भी शामिल है। अब 2026 की शुरुआत उनके लिए और भी धमाकेदार हो रही है। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर पूजा मुहूर्त का वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं।

विनीत का पोस्ट

विनीत ने शूटिंग के पहले दिन की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। इनमें टीम पूजा करती दिख रही है और विक्रम सेट पर काम करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में विनीत अपनी को-स्टार सैयामी खेर के साथ आरती करते दिखे। टीम के बाकी लोग पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। एक और क्लिप में विनीत भावुक होकर विक्रम को गले लगाते नजर आए। बाकी फोटो में टीम काम में व्यस्त है।

विनीत का नोट

विनीत ने इन शानदार पर पूजा मुहूर्त की तस्वीरों और वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को सबके सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। तब तक इस प्रक्रिया को एंजॉय करें और कुछ जादू बनाएं।

फिल्म के बारे में

विक्रम फडनिस कई मराठी फिल्में बना चुके हैं, लेकिन यह उनकी बॉलीवुड में डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म है। विनीत ने डिजाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ एक नई फिल्म शुरू की है। उन्होंने इस कहानी को बहुत खूबसूरत और अपने दिल के करीब बताया है। इस फिल्म में विनीत के साथ सैयामी खेर नजर आएंगी। इस अनटाइटल्ड फिल्म में विनीत और सैयामी के अलावा ताहिर राज भसीन और सुचित्रा पिल्लई भी हैं।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने बात की।

अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है। तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है। उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है। डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

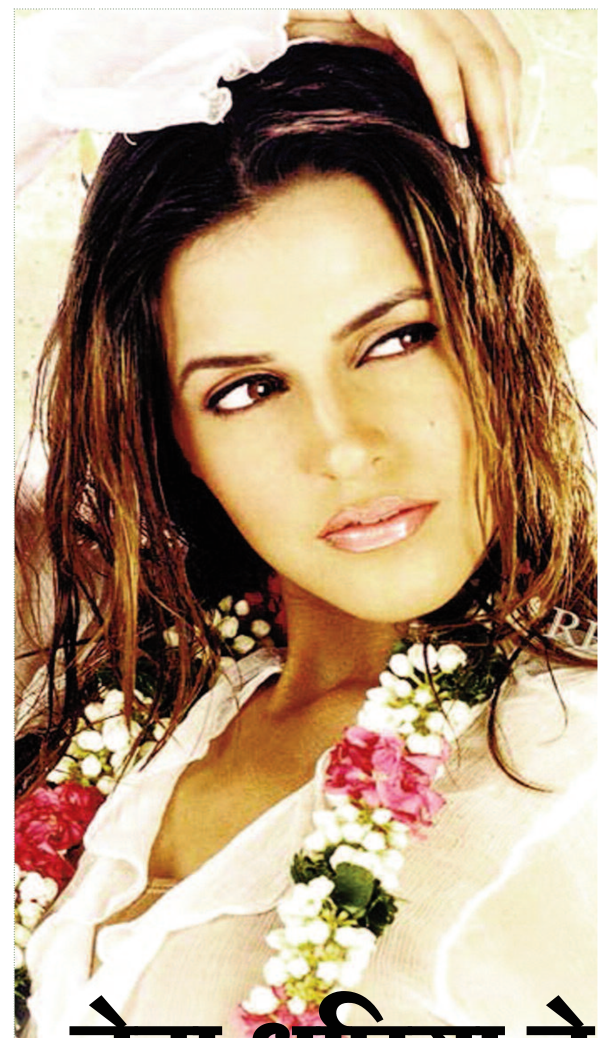

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे में बात की

एक्ट्रेस नेहा धूपिया को सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसे शोज में शानदार अभिनय करने के लिए हर तरफ से तारीफ मिल रही है। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है कि अच्छा काम करने पर खूब मौके मिलते हैं। उन्होंने बताया कि तीन-चार साल तक उनके पास काम नहीं था और वह घर बैठी थीं, जिससे उनको एंग्जाइटी होने लगी थी। वह रोती भी थीं। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया, जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं तो मुझे बेचैनी होती है। इंडस्ट्री में 20 साल बिताने के बाद भी, जब काम नहीं होता तो मैं तकिए पर सिर रखकर रोती हूं। मैंने तीन दिन पहले भी ऐसा ही किया था। मैं इस बारे में कोई दुख भरी कहानी नहीं बनाना चाहती क्योंकि मुझे फिल्मों का काम बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे कभी निराश नहीं करेगा। नेहा ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में एक्ट्रर्स को हमेशा मोटी चमड़ी वाला बनने की सलाह दी जाती है, लेकिन प्रोजेक्ट खोना और लगातार आलोचना का सामना करना काफी मुश्किल हो सकता है। सबसे जरूरी बात तो ये है कि कि जब आप काम नहीं कर रहे होते हैं, तो आपके आस-पास वाला हर कोई काम कर रहा होता है। आप लाइफ को ऐसे जाते हुए देखते हैं। मुझमें और एक नए कलाकार में बस यही फर्क है कि मैं ऐसी चीजों से बाहर निकलना जानती हूं। मैं कई बार इस तरह की चीजों से गुजर चुकी हूं।

अक्षय खन्ना से होती हैं मोटिवेट

उन्होंने आगे कहा कि काम से हमेशा और काम मिलता है। अक्षय खन्ना के करियर से उन्हें अब मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा, काम से और काम मिलना जरूरी है। अगर मेरे हालिया दो शोज से कुछ नहीं मिलता तो कोई फायदा नहीं। क्या काम से अच्छा काम मिलता है? कभी-कभी तो समझ ही नहीं आता... फिर अक्षय खन्ना का करियर देखती हूं तो सोचती हूं कि हमें भी 6 साल घर बैठ जाना चाहिए। यही उम्मीद है कि काम से और काम मिलता रहेगा।

नेहा धूपिया कभी बेरोजगार नहीं रहीं

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनको तीन-चार साल तक एक्टिंग का कोई काम नहीं मिलता तो वह थक जाती हैं लेकिन भगवान की कृपा से कभी बेरोजगार नहीं रहीं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि वह खाली हो क्योंकि वह बहुत कुछ करती हैं। उससे वह थक जाती हैं लेकिन अंत में संतोष होता है कि कुछ किया है।

...अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन

रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

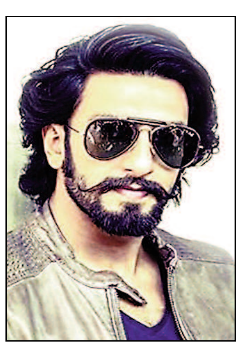

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुईं कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह प्रलय पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।'

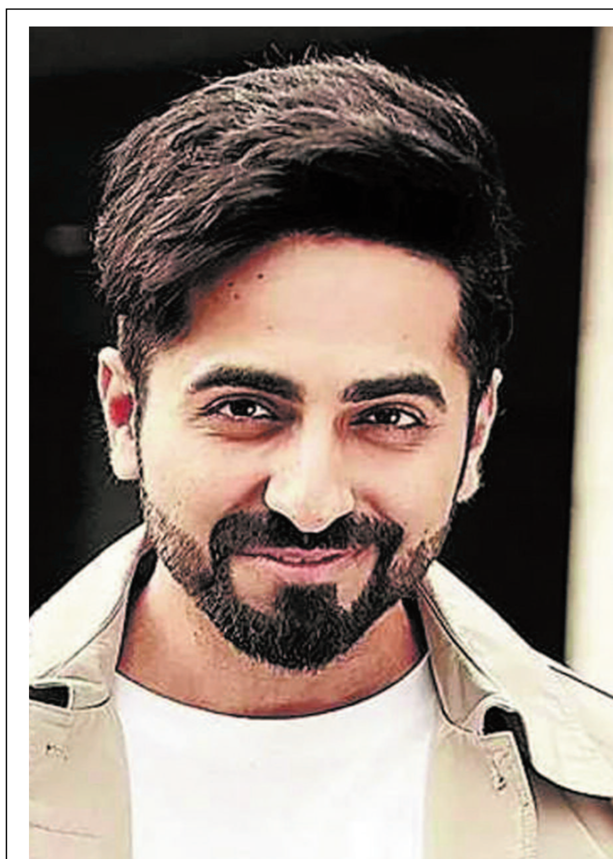

फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा इस बात से लगता है डर

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हैं, जो हर तरह के किरदार में खुद को सहजता से ढाल लेते हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में सिनेमा और अपने करियर को लेकर कई बातें साझा की हैं।

आप अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं, आपको किस तरह का सिनेमा ज्यादा पसंद है?

मेरे लिए कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच की रेखा कभी दीवार नहीं रही। मैं यह मानता हूं कि दोनों तरह की फिल्में साथ चल सकती हैं। बस कहानी ईमानदार होनी चाहिए और उसमें नयापन होना चाहिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा डर सुरक्षित और उबाऊ सिनेमा से लगता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि हर काम में कुछ नया और लगातार एक्सपेरिमेंट करता रहूं। आगे मैं बड़े बजट की फिल्में जरूर करूंगा लेकिन मेरी मूल पहचान वही है, जिससे मैंने शुरुआत की थी। कुछ अलग, कुछ हटकर फिल्में करना ही मेरा मकसद है। मैं हमेशा अपनी ऑडियंस को चौंकाना चाहता हूं।

फिल्मों की सफलता का पैमाना आपके लिए क्या है?

'थामा' की हाई ओपनिंग और 'ड्रीम गर्ग 2' का 100 करोड़ क्लब में शामिल होना, मैं इन दोनों बातों को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता। कोविड के बाद थिएटर का पूरा सिस्टम बदल चुका है।

ऐसे समय में इन फिल्मों का चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज ऑडियंस को सबसे ज्यादा खींचने वाली चीज जिज्ञासा है। हमने यह भी देखा है कि बिना बड़े सुपरस्टार वाली फिल्में भी चली हैं। अच्छी कहानी अपने आप ही ऑडियंस खींचती है।

आप कई फैंचाइजी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं? इन फिल्मों के चयन की वजह क्या रही है?

मैंने कोई रणनीति बनाकर फैंचाइजी फिल्मों पर काम नहीं किया। चाहे 'बधाई हो' हो या 'ड्रीम गर्ल' या फिर 'शुभ मंगल..', ये किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं थीं। मेरे लिए हमेशा स्क्रिप्ट ही सबसे अहम रही है। स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद ही मैं इन फिल्मों से जुड़ा हूं।'

आप ऑडियंस को क्या नया दिखाना चाहते हैं?

कोविड के बाद लगातार 100 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली फिल्मों को मैं सिर्फ नंबर की तरह नहीं देखता। बॉक्स ऑफिस की सफलता जरूरी है, क्योंकि यह ऑडियंस के भरोसे को दिखाती है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार ऑडियंस को कुछ ऐसा दूं, जो उन्होंने पहले न देखा हो।

अपने करियर के मौजूदा दौर और आने वाले काम को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं?

साल 2026 में मैं कई तरह के किरदारों में नजर आऊंगा। मेरी हर फिल्म की तैयारी अलग रही है। कहीं ज्यादा शारीरिक तैयारी करनी पड़ी, तो कहीं भावनात्मक गहराई में जाना पड़ा। लेकिन अच्छी टीम के साथ काम करने से सब कुछ आसान लगा। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता के बाद मैं इस दौर को संतोषजनक मानता हूं।

भारतीय सिनेमा को लेकर आपका क्या नजरिया है?

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि हम एक बहुत दिलचस्प दौर में हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने कई बेहतरीन फिल्में देखी हैं। चाहे 'लापता लेडीज' हो, 'होमबाउंड' हो या दूसरी फिल्में। इन फिल्मों ने नए कलाकारों को आगे आने का मौका दिया है। आज इंडस्ट्री में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। मुझे उत्सुकता है कि आने वाले समय में वे क्या-क्या काम करेंगे? यह देखकर भी अच्छा लगता है कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहा है। हमारा कंटेंट इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है। बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में जगह बना रहा है। वहां उसे सराहा भी जा रहा है। यह भारतीय सिनेमा का सुनहरा दौर है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।